वाराणसी शुक्रवार
8 नवम्बर 2024
वर्ष : 1 अंक : 27
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 08
Title Code : UPHIN51376

ujalasanchar376@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

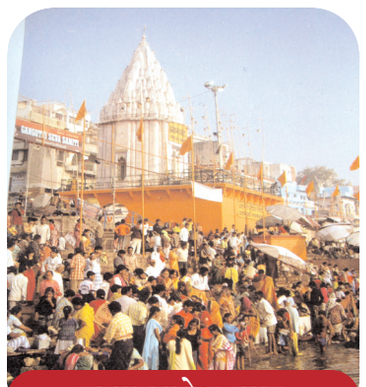

दशाश्वमेध घाट

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

ट्रम्प ने रचा इतिहास

131 साल बाद पहले राष्ट्रपति जो हारकर फिर जीते

डोनाल्ड ट्रम्प को 538 में से 277 सीटें मिलीं, फिर राष्ट्रपति बनेंगे, कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं, अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला कैंडिडेट को हराया

● वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 538 में से 277 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 270 सीटों से 7 ज्यादा हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे।

अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला कैंडिडेट को हराया है। दिलचस्प फैक्ट यह भी है कि 2016 और 2024 के अलावा कभी भी कोई महिला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ी हैं। दोनों ही बार ट्रम्प ही चुनाव जीते हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के साथ संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। सीनेट संसद का ऊपरी सदन है। इसकी 100 सीटों में हर राज्य के लिए 2 सीटों की हिस्सेदारी है। इसकी एक तिहाई सीटों पर हर 2 साल में चुनाव होते हैं। इस बार 34 सीटों पर चुनाव हुए।

20 जनवरी 2025 को होगा डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण

ट्रम्प बोले- असंभव को संभव किया

जीत के बाद अमेरिकी लोगों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा- एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प पर 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल-बाल बची थी। ट्रम्प ने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। मैं देश की सभी समस्याओं को दूर करूंगा, अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। अगले 4 साल अमेरिका के लिए अहम हैं।

मोदी ने कहा-बधाई मेरे दोस्त

रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। ट्रम्प दूसरी बाद अमेरिका के शीर्ष पद पर काबिज होंगे। पीएम मोदी ने बधाई देते हुए कहा, आपकी ऐतिहासिक जीत पर शुभकामनाएं मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी में हमारा सहयोग फिर नया होगा।

ट्रम्प की जीत से भारत को क्या-क्या फायदे

- भारतीय एक्सपोर्ट सेक्टर को महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। चूंकि चीनी प्रोडक्ट पर हाई टैरिफ हैं। ये अमेरिकी मार्केट में ऑटो पार्ट्स, सौर उपकरण और रासायनिक उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्माताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकते हैं।
- ट्रम्प की जीवाश्म ईंधन नीतियों और चीनी की धीमी इकोनॉमिक ग्रोथ के कारण ऊर्जा लागत कम हो सकती है। इससे एचपीसीएल, बीपीसीएल, आईओसी जैसी भारतीय तेल कंपनियों व आईजीएल और एमजीएल जैसी गैस वितरण कंपनियों के लिए फायदा हो सकता है।
- मैन्युफैक्चरिंग और डिफेंस सेक्टर में तेजी आ सकती है। अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर उनका ध्यान भारत डायनेमिक्स और एचएएल जैसी भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए बेहतर हो सकता है।
- दुनिया के कई देशों में फैले तनाव को ट्रम्प खत्म कर सकते हैं। ऐसे में सप्लाई चेन में सुधार होगा जिससे भारतीय व्यापार को मदद मिल सकती है। ट्रम्प का जोर अमेरिका के औद्योगिक विकास पर होता है। ऐसे में दोनों देशों में काम करने वाली कंपनियों को लाभ हो सकता है। इनमें एबीबी, सीमेंस, कमिंस, हनीवेल, जीई टीएंडडी और हिताची एनर्जी शामिल हैं।
- ट्रम्प के नेतृत्व में कारोबारी माहौल में सुधार हो सकता है। इससे संभावित रूप से कॉर्पोरेट टैक्स में कमी आ सकती है। वहीं व्यापार-अनुकूल नीतियों के माध्यम से भारतीय शेयर मार्केट में भी तेजी आ सकती है।

भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति फिर जीते

भारतीय मूल के डेमोक्रेट उम्मीदवार राजा कृष्णमूर्ति ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर ली है। कृष्णमूर्ति ने इलिनॉय के 8वें कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार दूसरी बार चुनाव जीता है। वह अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने 57.1 फीसदी वोट हासिल कर चुनाव जीता है। जबकि, रिपब्लिकन पार्टी के मार्क राइस को 42.9 फीसदी वोट मिले थे। कृष्णमूर्ति ने पहली बार साल 2016 में चुनाव जीता था।

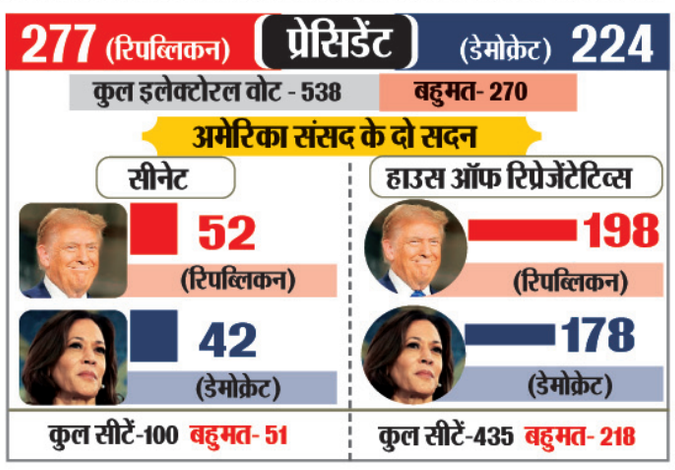

नतीजों के बाद शपथ ग्रहण में 75 दिन लगेंगे

- सभी राज्यों में वोटों की गिनती होने के बाद इलेक्शन ऑफिशियल नतीजों की घोषणा करेंगे और सर्टिफिकेट जारी करेंगे।
- 2 राज्यों के गवर्नर अपने यहां चुने गए इलेक्टर्स के सर्टिफिकेट ऑफ एसर्टेनमेंट पर साइन करेंगे। इसकी डेडलाइन 11 दिसंबर है। इसकी कॉपी अमेरिकी कांग्रेस में भेजी जाएगी।
- दिसंबर महीने के दूसरे बुधवार के बाद वाले मंगलवार को सभी इलेक्टर्स अपने-अपने राज्यों में मिलते हैं और प्रेसिडेंट और वाइस प्रेसिडेंट के लिए वोट करते हैं। इस बार ये तारीख 17 दिसंबर है।
- दिसंबर महीने के चौथे बुधवार तक सभी वोट अमेरिकी कांग्रेस तक पहुंच जाने चाहिए। इस बार ये तारीख 25 दिसंबर यानी क्रिसमस को पड़ रही है।
- 6 जनवरी 2025 को कांग्रेस में सभी इलेक्टोरल वोटों की गिनती की जाएगी। इसी के आधार पर आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति के नाम का ऐलान किया जाएगा।
- 20 जनवरी 2025 को यूएस कैपिटल बिल्डिंग में अमेरिका के नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

ब्रीफ न्यूज

हरदोई में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत

हरदोई में डीसीएम (ट्रक) ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, 4 गंभीर हैं। मरने वालों में 6 महिलाएं और 2 बच्चे भी हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो उछलकर दूर जा गिरा। पूरी छत उड़ गई। अंदर बैठी सवारियां बाहर आ गिरीं। सड़क पर लाशें बिखर गईं। हादसा बुधवार दोपहर बिलग्राम थाना के रोशनपुर गांव के पास हुआ। पुलिस का कहना है- ऑटो बिलग्राम की तरफ जा रहा था। अचानक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया, तभी सामने से आ रहे डीसीएम ने ऑटो को रौंद दिया।

दिल्ली में यमुना किनारे नहीं होगी छठ पूजा

दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की परमिशन देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नदी का पानी बहुत प्रदूषित है। इसमें पर्व मनाने से लोगों की सेहत बिगड़ सकती है। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि दिल्ली में 1000 जगहों पर छठ मनाने के इंतजाम किए गए हैं, वहां जाकर लोग पर्व मना सकते हैं। याचिका पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान ने दायर की थी। जिसमें कहा गया था कि छठ पूजा पर लगा बैन हटाना चाहिए।

भड़काऊ भाषण देने पर मिथुन पर एफआईआर

अभिनेता से भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ कोलकाता में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मिथुन चक्रवर्ती पर पिछले महीने उत्तर 24 परगना जिले में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने का इल्जाम है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मिथुन के खिलाफ शिकायत 27 अक्टूबर को साल्ट लेक क्षेत्र में ईजेडसीसी में भाजपा के एक कार्यक्रम में उनके द्वारा दिए गए भाषण से संबंधित है, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

हायर एजुकेशन लोन पर 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी मिलेगी, 22 लाख छात्रों को फायदा

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को कैबिनेट की मंजूरी- 8 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के बच्चों को 10 लाख रुपए तक के लोन पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा

● नई दिल्ली

मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी गई। इसमें हायर एजुकेशन के लिए 7.5 लाख रुपए तक के लोन पर भारत सरकार 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी देगी। 8 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के बच्चों को 10 लाख रुपए तक के लोन पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। 4.5 लाख रुपए तक की सालाना आय वाले छात्रों को पहले से पूर्ण ब्याज अनुदान मिल रहा है। इस योजना के दायरे में देश के प्रमुख 860 हायर एजुकेशन सेंटर्स के 22 लाख से अधिक छात्र आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कहा गया- इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों को सहायता प्रदान करना है, ताकि उनकी पढ़ाई में पैसा बाधा न बने। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का ही विस्तार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से विकसित इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाले छात्र ट्यूशन फीस और पाठ्यक्रम से संबंधित खर्चों को कवर करने के लिए संपार्शिवक-मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण प्राप्त कर सकें। जो एक डिजिटल, पारदर्शी और छात्र-अनुकूल प्रणाली के माध्यम से होगा। यह कार्यक्रम शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों को फोकस करता है, जिनकी पहचान एनआईआरएफ रैंकिंग में हैं। इसमें समग्र रूप से शीर्ष 100, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन-विशिष्ट रैंकिंग में स्थान पाने वाले सरकारी और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। 101-200 रैंक वाले राज्य सरकार के संस्थान और सभी केंद्र सरकार के संस्थान भी पात्र हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर वार्षिक अपडेट में वर्तमान में 860 क्यूएचईआई शामिल हैं, जिससे संभावित रूप से 22 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना क्या है?

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के लिए सरकार ने 2024-25 से 2030-31 के लिए 3,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसका लक्ष्य नई योजना के साथ 7 लाख नए छात्रों की सहायता करना है। नई योजना का उद्देश्य घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करना है। इस योजना में हर साल एक लाख छात्रों के लिए 3 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और ई-वाउचर शामिल होंगे। इसकी घोषणा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने केंद्रीय बजट भाषण में की थी।

कैसे मिलेगा योजना का लाभ

छात्र सभी बैंकों में आवेदन प्रक्रिया का उपयोग करके एकीकृत पीएम-विद्यालक्ष्मी पोर्टल के माध्यम से ऋण और ब्याज लाभ के लिए आवेदन कर सकते हैं। ब्याज सहायता भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से संसाधित किए जाएंगे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना केंद्र की मोदी सरकार की एक नई पहल है। जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

छठ गीत के धुनों के बीच पंचतत्व में विलीन हुईं बिहार कोकिला शारदा सिन्हा

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

● पटना

मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का अंतिम संस्कार आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ पटना के घाट पर किया गया। बेटे अंशुमान सिन्हा ने उन्हें मुखाग्नि दी। उन्होंने कहा कि मेरी माँ ने 55 वर्षों तक संगीत की यात्रा की, 'लोक संस्कृति' का समर्थन किया और इसे और भी समृद्ध किया। उन्होंने अपने बच्चों को जो संस्कृति दी, वह इसी 'लोक संस्कृति' से थी, उन्होंने हमें इसके महत्व के बारे में बताया। सिन्हा ने आगे कहा कि उन्होंने कई तरह के गीत गाए, लेकिन उन्हें छठ गीतों का आशीर्वाद मिला और इसलिए छठ वैश्विक बन गया। इन दोनों के बीच गहरा रिश्ता था।

राजेंद्र नगर क्षेत्र (कंकड़बाग के पास) स्थित शारदा सिन्हा के आवास से श्मशान घाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज हो रहा था। वह 72 वर्ष

की थीं। लोकप्रिय लोकगायिका का पार्थिव शरीर बुधवार को विमान के जरिये नयी दिल्ली से पटना लाया गया। पटना हवाई अड्डे पर बिहार के कई मंत्री मौजूद थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके घर गए और पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बृहस्पतिवार शाम को सिन्हा के घर जाने की उम्मीद है।

बिहार कोकिला के रूप में विख्यात शारदा सिन्हा ने कार्तिक मास इजोरिया, सूरज भइले बिहान सहित कई लोकगीत और छठ पर्व के गीत गाए। उन्होंने तार बिजली और बाबुल जैसे हिट हिंदी फिल्मी गाने भी गाए। छठ पर्व के पहले दिन उनका गुजरना भी एक तरह का संयोग है, जिसने लोगों को और भावुक कर दिया।

फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने 2017 का फैसला बरकरार रखा, कहा- यह रोजी-रोटी से जुड़ा मुद्दा

कार के लाइसेंस पर 7500 किलो व्हीकल चलाने पर रोक नहीं

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने कार के लाइसेंस यानी लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) लाइसेंस होल्डर्स को 7,500 किलो तक वजन वाली गाड़ियां चलाने की परमिशन दे दी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई डेटा नहीं है, जो साबित करता हो कि एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस होल्डर्स देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली 5 जजों की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह मुद्दा एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले ड्राइवरों की रोजी-रोटी से जुड़ा है। कोर्ट ने केंद्र से कानून में संशोधन प्रक्रिया जल्द पूरी करने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला बीमा कंपनियों के लिए झटका माना जा रहा है। बीमा कंपनियां हादसों में एक निश्चित वजन के ट्रांसपोर्ट व्हीकल के शामिल होने और नियम मुताबिक ड्राइवरों को उन्हें चलाने के लिए अधिकृत न होने पर क्लेम खारिज कर रही थीं।

पीएमएलए के तहत केस चलाने से पहले लेनी होगी सरकार से इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और जजों के खिलाफ उनकी पब्लिक ड्यूटी के दौरान हुए कथित अपराध के मामले में उन पर पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत तहत केस चलाने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होगी। सीआरपीसी की धारा-197 (1) के तहत प्रावधान है कि सरकारी कर्मी के खिलाफ केस चलाने के लिए सरकार के संबंधित अथॉरिटी से मंजूरी लेनी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी का यह प्रावधान पीएमएलए केस में भी लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने चुनौती दी थी। जिसमें हाई कोर्ट ने एक आईएएस अधिकारी के खिलाफ बिना स्वीकृति के केस चलाए जाने को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने ईडी की अर्जी खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

- एलएमवी और ट्रांसपोर्ट व्हीकल अलग-अलग वर्ग नहीं हैं। दोनों के बीच ओवर लैप मौजूद है। कानून को व्यावहारिक और काम में आने योग्य बने रहना चाहिए।
- खतरनाक सामान ले जाने वाले वाहनों पर विशेष पात्रता लागू रहेगी।
- सड़क हादसों के पीछे लापरवाही से और तेज स्पीड में गाड़ी चलाना, सड़क का डिजाइन और ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन शामिल है। इसके अलावा ड्राइविंग करते समय मोबाइल का इस्तेमाल, सीट बेल्ट न लगाना और हेलमेट न पहनना भी दुर्घटना का कारण बनते हैं।

भागवत बोले, संतों की रक्षा के लिए शस्त्रों की जरूरत

● चित्रकूट

चित्रकूट में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- संतों के कार्य में कोई बाधा न आए, इसलिए संघ का काम है कि डंडा लेकर संतों की रक्षा करे। कुछ ताकतें भारत को दबाने का प्रयास कर रहीं, लेकिन सत्य कभी दबता नहीं।

संत और संघ में बहुत अधिक अंतर नहीं है। भागवत ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा, संत मंदिर के भीतर रहकर पूजा करते हैं, जबकि संघ के कार्यकर्ता बाहर रहकर उनकी सुरक्षा में लगे रहते हैं। सत्य का समय आता है तो वह सिर चढ़कर बोलता है। हमें शस्त्रों की आवश्यकता है। साथ ही धारण करने वालों में राम जैसे विचार भी होने चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने कहा कि संतों के दिव्य विचार सुनने के बाद उनकी बात कड़वे चूर्ण की तरह हैं, पर इसी से जीवन में सुधार आता है। भागवत रामकिंकर शताब्दी समारोह के लिए दो दिवसीय दौरे पर चित्रकूट में हैं।

संक्षिप्त समाचार

मतदेय स्थलों पर 09 व 10 नवम्बर को कैम्प का आयोजन

उजाला संचार, बलिया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने बताया है कि अर्हता तिथि 01-01-2025 केआधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य प्रकाशन अवधि 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर के मध्य मतदाताओं की सुविधा हेतु 09 नवम्बर एवं 10 नवम्बर, 2024 (रविवार) को समस्त पदाभिहित स्थलों/मतदेय स्थलों पर क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय विशेष कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आलेख्य निर्वाचक नामावली पर जन सामान्य से दावे और आपत्तियां यथाफार्म-6, 7 व 8 प्राप्त किये जायेंगें। उक्त विशेष अभियान दिवस पर समस्त बी०एल०ओ०/पदाभिहित अधिकारी अपने-अपने निर्धारित मतदेय स्थल पर आलेख्य निर्वाचक नामावली एवं नियत फार्मों के साथ उपस्थित रहेगें तथा सेक्टर आफिसर/उच्चाधिकारियों द्वारा भ्रमण कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। अन्यथा की स्थिति में उनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी। जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण/समाज सेवी संगठनों से अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र में सबकी भागीदारी के लिए भारत निर्वाचन आयोग के अपेक्षानुसार सभी अई व्यक्तियों/नवयुवक/नवयुवतियों/महिलाओं का नाम जो 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु प्राप्त कर चुके हैं परन्तु उनका नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित होने से छूट गये है निर्वाचक नामावली में शामिल कराने तथा अपात्र मतदाताओ का नाम अपमार्जित कराने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें, जिससे त्रुटिरहित सर्वशुद्ध निर्वाचक नामावली तैयार हो सके।

हज यात्रियों की प्रथम किस्त जमा करने की अन्तिम तिथि 11 नवम्बर

उजाला संचार, बलिया। जनपद के हज-2025 के लिए चयनित हज यात्रियों की प्रथम किस्त रू0-1.30300 /- जमा करने की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 11 नवम्बर, 2024 कर दी गयी है। धनराशि जमा कर पे-इन-स्लिप/आनलाईन जमा रसीद, हज आवेदन फार्म व घोषणा पत्र, मेडिकल स्क्रीनिंग एण्ड फिटनेस सर्टिफिकेट स्वहस्ताक्षरित अन्तरष्ट्रीय पासपोर्ट की फोटोप्रति उ0प्रद राज्य हज समिति के उक्त पते पर डाक अथवा दस्ती 14 नवम्बर, 2024 या उससे पूर्व जमा कराना आवश्यक है। निर्धारित समय से धनराशि जमा न होने की स्थिति में चयन निरस्त किया जा सकता है। जनपद के हज-2025 के लिए चयनित हज यात्रियों को सूचित करते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पांडेय ने बताया है कि अंतिम तिथि 11 नवम्बर, 2024 के पूर्व प्रथम किस्त जमा करते हुए स्वयं अथवा डाक के माध्यम से हज कार्यालय में समस्त प्रमाण पत्र जमा करना सुनिश्चित करें।

निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए करें आनलाईन आवेदन

उजाला संचार, बलिया। जनपद के पात्र दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान किए जाने हेतु ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट पर आमंत्रित किए जा रहे हैं। जिसमें मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया आदि से ग्रसित या उर्पयुक्त की भाँति शारीरिक स्थिति। दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, कमर के ऊपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हो, सम्बन्धित दिव्यांगजन मोटराइज्ड ट्राई साइकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम हो, जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा न्यूनतम् 80 प्रतिशत या उससे अधिक की दिव्यांगता प्रमाणित की गई हो। आयु 16 वर्ष अथवा उससे अधिक हो, उत्तर प्रदेश का निवासी हो, दिव्यांगजन व उसके परिवार की समस्त सोतों से वार्षिक अय रू० 180000.00 /- से अधिक न हो। इस योजना से दिव्यांगजन को पूरे जीवनकाल में केवल एक बार लाभान्वित किया जाएगा तथा ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें भारत सरकार/ स्थानीय निकाय/मा० सांसद निधि/मा० विधायक निधि या अन्य सरकारी स्त्रोतों से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल से पूर्व में लाभान्वित किया गया है, वे इस योजना हेतु पात्र नहीं होगें। कार्यालय में प्राप्त आवेदन- पत्रों को नियमावली में उल्लिखित पात्रता के अनुसार उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष 'प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त के आधार पर नियमानुसार लाभान्वित किया जाएगा। जनपद के पात्र दिव्यांगजनों को सूचित करते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजन कुमार ने बताया है कि यथाशीघ्र उक्त योजना का लाभ लेने हेतु वेबसाइट पर आवेदन करते हुए आवेदन की हार्डकापी कार्यालय- जिला द्यिांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, बलिया को उपलब्ध करायें। साथ ही निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राई-सायकिल उपलब्ध कराये जाने की नियमावली, 2020 के अन्तर्गत अनुदान की अधिकतम धनराशि मोटराइज्ड़ ट्राई-सायकिल का वास्तविक मूल्य अथवा रू0 25 हजार जो भी हो, प्रति दिव्यांगजन अनुमन्य होगा यदि मोटराइज्ड ट्राई- सायकिल की कीमत रू० 25 हजार से अधिक होती है तो अनुदान की अधिकतम धनराशि रू0 25 हजार के अतिरिक्त आने वाले व्यय भार स्वयं लाभान्वित होने वाले व्यक्ति द्वारा वहन किया जायेगा। इसकी भरपाई विधायक निधि/ सांसद निधि सीएसआर या अन्य किसी वित्त पोषण के माध्यम से भी की जा सकेगी।

भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार : ददरी मेला मे लगने वाले झूला और पार्किंग के लिये लगेगी खुली बोली

अधिक बोली वाले को मिलेगा झूला व पार्किंग लगाने का अधिकार

निर्देशों का अनुपालन न किए जाने/लापरवाही पाए जाने पर नगर पालिका की जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही की जाएगी

उजाला संचार

बलिया। इस बार जिला प्रशासन जनपद के ऐतिहासिक ददरी मेला मे होने वाले भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के प्रति सजग व जागरूक दिख रहा है। यही कारण है कि इस बार सबसे ज्यादे लूट खसोट वाले सेक्टर झूला चरखी और पार्किंग पर अपनी पैनी नजर गड़ा दी है। सूत्रों की माने तो पिछले साल जिस तरह से चार दशक से भी अधिक समय से झूला चरखी लगाने वाले व्यापारी को झूला लगाने ही नहीं दिया गया, इसके लिये कई तरह की बातें चर्चा मे रही थीं। इस बार इस व्यापारी ने सीधे जिलाधिकारी से मिल कर पिछले साल की घटना को मौखिक रूप से बता कर और लिखित रूप से आवेदन देकर मेला मे झूला लगाने की गुहार लगायी है। इस शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए इस बार झूला और पार्किंग के लिये खुली बोली के माध्यम से जमीन आवंटन का निर्णय किया है।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया है कि ददरी मेला-2024 को सकुशल एवं व्यवस्थित आयोजन कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री त्रिभुवन ने पूर्ण पारदर्शिता एवं राजस्व में वृद्धि के दृष्टिगत अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया है कि झूला एवं पार्किंग आदि राजस्व से संबंधित कार्यों को खुली बोली प्रक्रिया के अंतर्गत अधिक बोली लगाने वाले को स्थान आवंटित किया जाय। इस कार्य में निदेशों का अनुपालन न किए जाने/लापरवाही पाए जाने पर नगर पालिका की जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही की जाएगी।

बता दे कि ददरी मेला का आयोजन 15 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा।

12 नवंबर को भूमि पूजन किया जाएगा। 18 नवंबर को घुड़दौड़ का आयोजन किया जाएगा। ददरी मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। ददरी मेला में सुरक्षा के सभी मानकों का अनुपालन किया जाएगा, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाए।

लोक आस्था के महापर्व छठ के विभिन्न चरणों का नाटक के जरिये भावपूर्ण मंचन

उजाला संचार

(बाराचवर) गाजीपुर। सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त बाराचवर विकास खंड में डालिम्स सनबीम स्कूल, गांधीनगर के बच्चों ने 06/11/24 दिन मंगलवार को विद्यालय परिसर में लोक आस्था के महापर्व छठ के विभिन्न चरणों को नाटक के जरिये भावपूर्ण मंचन कर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। छठ पूजा की तैयारी, चार दिवसीय छठ के विभिन्न चरणों (नहाय-खाय, खरना, अस्ताचल तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य) की परंपरा को नाटक के जरिये प्रस्तुत किया।

नाटक के दौरान छठ गीतों से विद्यालय परिसर गुंजायमान रहा। संवाद के जरिये छठ की महत्ता को भी बताया गया। नहाय-खाय के दिन से शुरू होकर, खरना और उसके बाद 36 घंटे का उपवास तथा सूर्य की उपासना के सजीव चित्रण की लोगों ने सराहना की।कृति वर्मा, आदित्य यादव, निष्ठा राय, आयुषी राय, मनस्वी श्रीवास्तव, शक्ति राय, सुहानी कुशवाहा, अंशिका मौर्य, श्रेयांश तिवारी,अविरल राय, आयुष, अनुष्का,रुद्र प्रताप, सौम्या के अभिनय की लोगों ने सराहना की।

प्रिंसिपल डॉ प्रेरणा राय ने बच्चों तथा लोगों को छठ महापर्व के सामाजिक तथा धार्मिक पहलुओं से रू-ब-रू कराने के उद्देश्य से बच्चों के द्वारा छठ पर्व नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन एक्टिविटी इंचार्ज नेहा राय द्वारा किया गया एवं संचालन कक्षा 9 की छात्रा खुशी मौर्य द्वारा किया गया।

डीएम ने फसल धान की क्रॉप कटिंग के कार्यों का किया निरीक्षण

उजाला संचार

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने आज सदर तहसील के ग्राम मिड्ढा में फसल धान की क्रॉप कटिंग के कार्यों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने फसल धान की क्रॉप कटिंग कराकर उत्पादकता का आकलन कर सीसीई एग्री ऐप पर अपलोड कराया तथा उपस्थित किसानों से अपील किया कि धान क्रय केंद्र पर ही धान का विक्रय करें व पराली न जलाए।

ग्राम मिड्ढा में फसल धान की उत्पादकता का आकलन के लिए 02 क्रॉप कटिंग कराया गया। किसान श्री कुबेर सिंह के खेत के गाटा संख्या-686 पर प्रथम क्रॉप कटिंग किया गया,जिसमे तौल कराने पर उत्पादन 20.680 किलोग्राम पाया गया। किसान श्री

मोहन सिंह के खेत के गाटा संख्या-822 पर द्वितीय क्रॉप कटिंग किया गया, जिसमे तौल कराने पर उत्पादन 9.770 किलोग्राम पाया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानो को फसल क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए क्रॉप कटिंग आंकड़ों का अत्यधिक महत्व होता है ।

इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी सोभनाथ, तहसीलदार मनोज कुमार राय, राजस्व निरीक्षक संजय कुमार यादव एवं लेखपाल अंकिता पाण्डेय सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहें।

रसोईयां मां की आरती उतार भेंट की गई साड़ी

उजाला संचार

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय माहपुर में बुधवार को छठ पर्व की पूर्व संध्या पर पाँचों रसोईयां माँ लोंगो की आरती उतारकर साड़ी भेंट की गई। बच्चों ने प्यार से रोज भोजन बनाने व खिलाने वाली रसोईयां मां लोगो को आरती उतार साड़ी देकर सम्मानित किया तथा छठ पर्व की शुभकामनाओं सहित त्योहार मनाने के लिये घर भेंजा। उक्त उपहारों की व्यवस्था विद्यालय परिवार ने छठ पर्व पर की थी। चूंकि अन्नपूर्णा के रूप में विद्यालय के बच्चों को प्रतिदिन अपने बच्चों की भांति अच्छे व स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन बनाने व

खिलाने वाली रसोइया मां का जब छठ पर्व करने का समय आया तब बच्चों सहित अध्यापकों ने यह निर्णय लिया। बता दें कि मंजू, मीरा, गुड्डी देवी सहित पांच रसोइयां कंपोजिट विद्यालय माहपुर में कार्यरत हैं। यह लोग अपने कार्य को पूरी निष्ठा के साथ करती हैं। छठ पर्व पर साड़ी व सम्मान पाकर रसोईयां मां लोग भावुक हो उठीं। उन लोंगो ने सजल नयन से बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया तथा सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत एंटीरोमियो टीमों द्वारा महिलाओं, बालिकाओं व छात्राओं को किया जागरूक

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों की एंटी रोमियो टीमों द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 (नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन) महिला कल्याण के प्रति चलाए जा रहे अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं के मध्य सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के समस्त थानों द्वारा महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में चलाये जा रहे पुलिस की महिला सुरक्षा सम्बंधी विभिन्न महिला हेल्प लाइन 1090, यूपी-112, हेल्पलाइन नम्बरों 1076 आदि एवं तीनों नये कानूनों के लागू होने के बारे में जागरूक किया तथा उपस्थित सभी

महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल उक्त दिए गए हेल्पलाइन नम्बरों पर कॉल कर पुलिस को सूचित करने हेतु बताया गया। सभी बालिकाओं/महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने/शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

शेरपुर में मां काली का वार्षिक महोत्सव भक्ति भाव से सम्पन्न

गाजीपुर (भांवरकोल)। क्षेत्र के शेरपुर खुर्द गांव स्थित माँ काली मंदिर का 21 वां वार्षिक महोत्सव मंगलवार को भण्डारे के साथ सम्पन्न हुआ। महोत्सव को लेकर दो दिन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहले दिन सोमवार को मां काली की पूजा अर्चना भव्य तरीके से की गई एवं रामचरित मानस पाठ का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु व बच्चों ने भाग लिया। पूजन कार्य पंडित पारसनाथ पांडेय ने किया।कार्यक्रम के पूर्व मंदिर को झालर लाइट, दीप, फूल माला से भव्य तरीके से सजाया गया था । महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को संध्या पांच बजे से भक्ति जागरण का आयोजन किया गया।जिसमे जनपद के मशहूर भजन गायक रामाकान्त तिवारी व नीतीश मिश्रा ने एक से बढ़कर एक भजन व डाला छठ का गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया।भक्तों ने बीच बीच में काली माता का जयकारे लगाते रहे।जागरण कार्यक्रम से पूरा वातावरण भक्तमय हो गया।इसके पूर्व सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।इस मौके ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयानंद राय,राजेश राय बागी, आशीष राय सिंटू, ओमप्रकाश राय ,संकल्पकर्ता जयप्रकाश राय,व्यवस्थापक राजू शंकर राय, अध्यक्ष मिथुन यादव ,रबिश राय,शेषनाथ यादव,बब्बन यादव, रामायण यादव, धनजी राय, मनजी राय,सन्नी राय, बंटी राय, विनोद यादव,अंशू राय, गोलू राय,अभिषेक राय, आलोक राय,भरत चौधरी, अजय चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

हम उपचुनाव के साथ-साथ 2027 का भी चुनाव जीतेंगे : ललितेशपति त्रिपाठी

उजाला संचार

भदोही। आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता व पूर्व विधायक ललितपति त्रिपाठी ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था की जो हालत है वह सबके सामने है। आए दिन हत्या, लूट, बलात्कार, फर्जी एनकाउंटर, कस्टडियल डेथ के मामले सामने आ रहे हैं।

उक्त बातें बुधवार को श्री त्रिपाठी ने नगर के स्टेशन रोड पर स्थित एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में भदोही में नेशनल इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल की गोलियों से भूनकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस हत्या से तार-तार होती कानून व्यवस्था में अपराधियों के बढ़े हुए हौसले की दुर्भाग्यपूर्ण दास्तान बयान करता है। यूपी का तो यह आलम हो गया है कि एक एनकाउंटर को बैलेंस करने के चक्कर में दूसरा एनकाउंटर किया जा रहा है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि सत्ता और शासन व्यवस्था का काम न्याय दिलाना होता है बदला लेना नहीं। लेकिन योगी सरकार ने पुलिस को इस कदर छूट दे दी है कि वे नरभक्षी हो चले हैं। देश में कानून का शासन होना चाहिए। शासन का कानून नहीं। इस बात की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर अपनी सुनवाई में अच्छे से कर दी है। उन्होंने कहा कि इन नाकामयाबी का पिटारा खुलने के डर से सरकार ने उपचुनाव की तारीखें भी आगे करवा दी। हम उपचुनाव भी जीतेंगे और 2027 का चुनाव भी जीतेंगे। जनता का ध्यान भटकाने के लिए विधायक जाहिद बेग पर द्वेष की भावना से कार्रवाई की गई।

मझवा विधानसभा उपचुनाव में कैबिनेट कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा

उजाला संचार

कछवां। आदर्श नगर पंचायत के ब्रह्मणान वार्ड में विधानसभा मझवां उपचुनाव की भाजपा प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य के चुनाव प्रचार में बुधवार को पहुंचे कैबिनेट कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने संबोधन के दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद देश की राजनीति के अंदर बहुत बड़ा ध्रुवीकरण हो रहा है ऐसे मारीच बनकर आने वाले लोग मोदी को संविधान बदलने व आरक्षण खत्म करने का अफवाह फैलाया। इस बात को जितना गंभीरता से लेना चाहिए था हमने नहीं ले पाया और धीरे-धीरे काना फुसी करके चुनाव को इन लोगों ने प्रभावित कर दिया। और कहा कि

अति आत्मविश्वास भी बहुत बड़ा घातक होता है। चुनाव एक युद्ध होता है युद्ध के भीतर विजय के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है। कहा कि जेपी नड्डा से मिलकर उपचुनाव पर चर्चा किया लेकिन हम लोग यह महसूस कर रहे हैं कि उत्तर प्रदेश में हमारी 10-12 सीटें कम हुई है। पूरे देश भर में इसका दबाव बना जो राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त थे। वह लोग जो सनातन धर्म को उखाड़ कर फेंक देना चाहते हैं। जो धार्मिक आधार पर तुष्टिकरण का बंटवारा किया और किसी ने अंतर्कलह की ताकतें लगाई जो भारत को कमजोर करना चाहती है, वह भी उनके साथ लगी हुई थी। और कहा कि आज जो कनाडा में हो रहा है, जो बांग्लादेश में हुआ और जो 1947 के पहले पाकिस्तान के भीतर हुआ। आज जब योगी जी ने कहा कि ₹बटोगे तो कटोगे₹ तो वह सारी ताकतों ने उस बयान का आलोचना किया। इससे आप इस बात का उम्मीद कर सकते हैं हम तभी तक सुरक्षित रह सकते हैं। आज से 13 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के हालात क्या थे। जिन लोगों ने जाति आधार पर सांप्रदायिक उनमान को पैदा करके सत्ता के भीतर 15 वर्षों तक भाजपा को उत्तर प्रदेश से बाहर रखा उन लोगों ने उत्तर प्रदेश का सत्यानाश कर दिया।वही विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह व श्याम नारायण उर्फ विनीत सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने भी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भ्रमण कर केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां को गिनाते हुए जनता के बीच जनसंपर्क कर सुचिस्मिता मौर्य के पक्ष में मतदान करने का अपील किया।

देव दीपावली पर एक दिया काशी के नाम अभियान चलाएगा पर्यटन विभाग

उजाला संचार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस वर्ष देव दीपावली पर विशेष अभियान एक दिया काशी के नाम का आयोजन करेगा। यह अभियान गंगा तटों और घाटों को दीपों की रोशनी से सजाने और काशी की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को विश्वस्तर पर प्रचारित करने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। देव दीपावली, जिसे कार्तिक पूर्णिमा पर मनाया जाता है, वाराणसी के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन गंगा घाटों पर लाखों दीप जलाए जाते हैं और भव्य गंगा आरती का आयोजन होता है। पर्यटन विभाग के

अनुसार, इस वर्ष एक दिया काशी के नाम अभियान के तहत स्थानीय निवासियों, पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की जाएगी कि वे घाटों पर कम से कम एक दिया जलाकर काशी की समृद्ध संस्कृति में योगदान दें।

अभियान के तहत गंगा के 84 घाटों पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। लगभग 10 लाख दीयों से घाटों को रोशन करने की योजना है। इसके साथ ही, गंगा आरती के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और रंगीन रोशनी के माध्यम से काशी की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर को प्रदर्शित किया जाएगा।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य न केवल पर्यटकों को आकर्षित करना है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी काशी की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इसके लिए छात्रों, सामाजिक संगठनों और व्यापारिक समुदाय को भी जोड़ने की तैयारी की जा रही है।

अभियान के प्रचार के लिए डिजिटल माध्यमों का भी उपयोग किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक दिया काशी के नाम के तहत फोटो और वीडियो साझा करने की योजना है। विभाग का मानना है कि इस पहल से काशी के वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और इसे एक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में और भी प्रसिद्ध किया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

देवरी खुर्द में छठ घाट की पंचायत द्वारा नहीं कराई गई साफ सफाई

उजाला संचार, सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज विकासखंड के ग्राम पंचायत देवरी खुर्द के देवरी खुर्द तालाब के भीटे पर कई वर्षों से छठ महापर्व का पूजन अर्चन गांव की महिलाओं द्वारा किया जाता है आपको बताते चलें कि इस वर्ष छठ घाट की साफ सफाई का कार्यक्रम पंचायत द्वारा नहीं कराया गया जिससे लोगों नाराजगी देखने को मिली।

सफाई कर्मचारी का वह प्रधान का राह देखते रहे ग्रामीण : आपको बताते चले जहां पर प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत को आदेश दिया गया था की हर छठ घाट की साफ सफाई वह बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए लेकिन देवरी खुर्द के ग्रामीण सफाई टीम व ग्राम प्रधान का राह देखते मिले ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान द्वारा पंचायत के कुछ स्थानों पर तो साफ सफाई कराया गया लेकिन मंदिर के बगल में तालाब के बेटे का साफ सफाई नहीं कराया गया।

ग्रामीणों द्वारा अपने से किया गया छठ घाट की सफाई : जब ग्राम पंचायत द्वारा किसी प्रकार का साफ सफाई का प्रबंध नहीं कराया गया तो देवरी खुर्द के ग्रामीणों द्वारा खुद हाथ में फावड़ा झाड़ू अन्य उपकरण लेकर छठ घाट का साफ सफाई किया गया जिससे की व्रत करने वाली महिलाएं छठ घाट पर पूजन अर्चन कर सकें।

पराली जलाने पर केंद्र ने लगाया भारी जुमार्ना, 30 हजार रुपये तक भरना होगा हर्जाना

उजाला संचार। किसानों को अब खेतों में पराली जलाना भारी पडेगा। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद अब केंद्र सरकार ने जुमार्ना राशि में बढ़ोत्तरी कर दी है।

गोरखपुर में ब्रिज का गॉर्डर गिरा, इंस्पेक्टर की मौत

इतना भारी की लाश जमीन पर चिपक गई, एक जवान गंभीर; क्रेन की टूट गई थी चेन

गोरखपुर। गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। निमार्णाधीन ओवरब्रिज का गर्डर गिर गया। इसमें एक रत्र इंस्पेक्टर की भारी गर्डर के नीचे दबकर मौत हो गई। जबकि, उनका दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब क्रेन की मदद से भारी लोहे के गर्डर को उठाया जा रहा था। तभी क्रेन की चेन टूट गई और भारी गर्डर नीचे गिर गया। हादसे में उनके साथ बाइक पर बैठे मनय कुंडू को भी गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, RPF और GRPF के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव काम में जुट गए। पुलिस ने रत्र इंस्पेक्टर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए इफ्ऋ मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। शुरूआती जांच में यह सामने आया है कि ओवरब्रिज के निर्माण काम के दौरान मार्ग पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था नहीं की गई थी, जो कि हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। यह घटना निर्माण कामों के दौरान सुरक्षा मानकों की गंभीर कमी की ओर इशारा करती है। भविष्य में ऐसे हादसों से बचने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देती है।

12 से 14 नवंबर तक गंगा महोत्सव के अंतर्गत मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम अस्सी घाट पर होंगे

5 नवंबर को होगा भव्य देव दीपावली का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान गंगा घाटों पर पर्यटकों की सुरक्षा के भी मुकम्मल इंतजाम सुनिश्चित हो-एस.राजलिंगम

उजाला संचार

वाराणसी। आगामी 12 से 14 नवंबर तक गंगा महोत्सव एवं 15 नवंबर को आयोजित होने वाले देव दीपावली के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी एस.राजलिंगम की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। 12 से 14 नवंबर को अस्सी घाट, राजघाट, राजेन्द्र प्रसाद घाट एवं नमो घाट पर आयोजित पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा गंगा महोत्सव के आयोजन में सफाई, चिकित्सा,

पार्किंग एवं सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल सुनिश्चित कराए जाने हेतु निर्देशित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम अस्सी घाट पर होंगे। जिलाधिकारी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दृष्टिगत अस्सी घाट पर आवश्यक सभी तैयारियों के साथ-साथ सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही नदी की तरफ बैरिकेडिंग कराए जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने वाले पब्लिक की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था सुरक्षित कराई जाने हेतु निर्देशित किया।

बताया गया की गंगा महोत्सव के दौरान लेजर शो एवं फायर शो भी गंगा घाट पर होगा। उन्होंने घाटों की समुचित सफाई व्यवस्था के साथ ही प्रकाश व्यवस्था की मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाने हेतु भी संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। देव दीपावली में दिया जलाने हेतु अधिक से अधिक पब्लिक की भागीदारी सुनिश्चित किया जाए। पर्याप्त जल पुलिस की तैनाती के साथ ही एनडीआरएफ भी अपनी तैयारी भी रखें। कार्यक्रम स्थल एवं आसपास एंबुलेंस की व्यवस्था भी आकस्मिकता की स्थिति में रखा जाए। सभी भवनों के साथ-साथ पुलों एवं ओवरब्रिज तथा समस्त चौराहों पर पर्याप्त लाइट की व्यवस्था हो। बस स्टेशन रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट पर कार्यक्रम की समुचित ब्रांडिंग सुनिश्चित कराई जाए।

15 नवम्बर को श्री काशी विश्वनाथ धाम के उस पार आतिशबाजी हेतु पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा अग्निशमन व्यवस्था किया जाएगा। 15 नवम्बर को ही चेतसिंह घाट पर प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो हेतु पैन्टून एवं पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था किया जाएगा।

देव दीपावली के दिन गंगा तट के उस पार दीप प्रज्जवलन हेतु महिला कार्मिकों के लिए अस्थायी शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाए। गंगा तट पर दीप प्रज्जवलन हेतु पर्यटकों/ श्रद्धालुओं/ जनमानस हेतु सुरक्षा, चिकित्सा एवं अग्निशमन की व्यवस्था अवश्य हो।

प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर ताबड़तोड़ फायरिंग, बाल-बाल बचे लोग

पुलिस कर रही इस बात की जांच

उजाला संचार

वाराणसी: जंसा थाना क्षेत्र के हाथी बाजार स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर बुधवार देर शाम बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना के दौरान कार्यालय के अंदर बैठे लोग बाल-बाल बच गए।

बताया जाता है कि हाथी बाजार में जीवदानी इंफ्राटेक नाम से पूर्व प्रधान शिवकुमारी देवी के बड़े पुत्र मनोज सिंह का कार्यालय है। बुधवार देर शाम एक अपाचे बाइक पर सवार दो बदमाशों ने कार्यालय में घुसकर फायरिंग की।

उस वक्त अंदर मनोज सिंह, दिनेश पांडेय डीजल गुरु और लव दुबे बैठे थे, जिन्हें निशाना बनाने की कोशिश की गई। अचानक हुए हमले से वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सभी लोग सुरक्षित कार्यालय के एक कोने में छिप गए।

घटना की सूचना मिलते ही

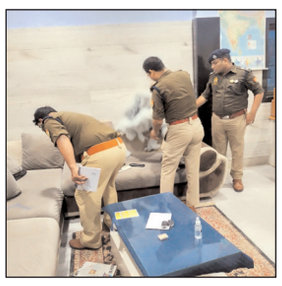

जंसा पुलिस सक्रिय हुई। डीसीपी गोमती प्रमोद कुमार, एडीसीपी गोमती आकाश पटेल, एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच शुरू की।

बड़ी कार्रवाई: रेलवे की संपति बेचने और खरीदने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा

उजाला संचार

वाराणसी। उप निरीक्षक जय प्रकाश यादव, सउनि अनिल कुमार सिंह, हेका जीतेन्द्र राय, हेका रामजीत यादव, कांस नामित कुमार राय सभी रेलवे सुरक्षा बल बनारस द्वारा प्राप्त मुखबिरी सूचना के आधार पर एक व्यक्ति अजीत कुमार गौतम पुत्र रमेश कुमार निवासी म0 सं0 बी/34/40 सराय नंदन, थाना भेलूपुर जिला वाराणसी उम्र 26 वर्ष को रेलवे कोच के बाथरूम में लगने वाले 08 अदद लिफ्ट काक, 01 अदद बीब काक व 01 अदद हेल्थ फासेट को बटुवापुरा, सुन्दरपुर, वाराणसी स्थित कबाड़ कि दुकान के संचालक समरजीत अग्रहरी पुत्र स्व0 रामदेव अग्रहरी उम्र 42 वर्ष निवासी बटुवापुरा, सुन्दरपुर, थाना चितईपुर, वाराणसी को बेचते हुए दोनों लोगो को रंगे हाथ समय 15.30 बजे गिरफ्तार किया गया उपरोक्त अभियुक्तगण के विरुद्ध रेसुब बल पोस्ट पर मुअस 06/24 व/र 3प्फ्ढ(वढ) अूउ र/श अजीत कुमार गौतम आदि दिनांक

04.11.2024 पंजीकृत किया गया ` चोरित/बरामद माल की कीमत लगभग 1786/- आंकी गई है। मामले की जांच उप निरीक्षक कृष्ण भगवान राम, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस द्वारा की जा रही है।

अपराध का तरीका स्टेशन पर खड़े रेल कोच के बाथरूम से रेल संपत्ति को चोरी कर इकठ्ठा करके निस्तारित कर देना

बरामद रेल सामग्री रेलवे कोच के बाथरूम में लगने वाले 08 अदद लिफ्ट काक, 01 अदद बीब काक व 01 अदद हेल्थ फासेट अनुमानित मूल्य - 1786/-

अपराध में प्रयुक्त वाहन - कोई नहीं जामा तलाशी में बरामद अजीत कुमार गौतम के पास से कैश-550/- व समरजीत अग्रहरी के पास से कैश-1000/- व एक टच स्क्रीन मोबाइल वांक्षित अभियुक्त- कोई नहीं अपराध का पंजीकरण अभियुक्तगण के विरूद्ध रेसुब पोस्ट बनारस पर मु.अ.स. 05/24 व/र 3 RP(UP) Act S/V अजीत कुमार गौतम आदि दिनांक 04.11.2024 पंजीकृत किया गया है।

चोरित/बरामद माल की कीमत लगभग 1786 /- आंकी गई है। मामले की जांच उप निरीक्षक कृष्ण भगवान राम , रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस द्वारा की जा रही है।

छठ पूजा के लिए 248 स्पेशल ट्रेनों का ऐलान, चेक करें रूट और टाइमिंग

उजाला संचार

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे से होकर 248 पूजा विशेष गाड़ियाँ 1,668 फेरों में चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले वर्ष 147 विशेष गाड़ियाँ 556 फेरों में चलाई गई थीं।

गोरखपुर, 07 नवम्बर, 2024 : छठ पर्व के अवसर पर- उत्तराखंड से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण :

07 नवम्बर, 2024 को 05060 लालकुआँ-हावड़ा विशेष गाड़ी, लालकुआँ से 13.35 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेन्ट्रल विशेष गाड़ी, काठगोदाम से 17.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 09075 मुम्बई सेन्ट्रल-काठगोदाम विशेष गाड़ी, काठगोदाम 14.30 बजे पहुँचेगी।

उत्तर प्रदेश से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण :

07 नवम्बर, 2024 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 14.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 08630 गोरखपुर-राँची विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 15.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 17.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 01054 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी, बनारस से 20.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 05325 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.15 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 09598 गोरखपुर-राजकोट विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 23.30 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 08629 राँची-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 11.30 बजे पहुँचेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 01053 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस विशेष गाड़ी, बनारस 14.00 बजे पहुँचेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 16.00 बजे पहुँचेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 09597 राजकोट-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 21.30 बजे पहुँचेगी।

बिहार से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरण :

07 नवम्बर, 2024 को 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी, लखनऊ से 14.15 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 05298 छपरा-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी, छपरा से 15.20 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 02269 छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी, छपरा से 23.00 बजे चलाई जायेगी।

07 नवम्बर, 2024 को 05162 अमृतसर-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 23.55 बजे पहुँचेगी।

स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश कराया जा रहा है। प्रमुख स्टेशन पर यात्री होल्डिंग एरिया बनाये गये हैं, जिसमें उद्घोषणा प्रणाली, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, सिटिंग एरिया, सी.सी.टी.वी. कैमरे इत्यादि की व्यवस्था की गई है।

भेलूपुर हत्याकांड: एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या की गुत्थी उलझी

पुलिस का अंदेशा प्रोफेशनल शूटर्स ने घटना को दिया अंजाम

उजाला संचार

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के भदैनी में पत्नी, दो बेटों और बेटी की हत्या के बाद पति राजेंद्र गुप्ता की भी लाश मिलने से सनसनीखेज हत्याकांड की गुत्थी और उलझ गई है। पांचों की गोली मारकर हत्या की गई। पहले यह माना जा रहा था कि पति ही तंत्र-मंत्र के चक्कर में परिवार को गोली से उड़ाकर फरार हो गया।

हालांकि घटनास्थल से 12 किलोमीटर दूर राजेंद्र की भी गोली लगी लाश मिली। छोटे बेटे ने खुद को बचाने के लिए बाथरूम में छिपने की कोशिश की तो उसे वहीं गोली मारकर हत्या कर दी गई। मां के बयान और क्राइम सीन कुछ अलग ही कहानी

बयां कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा कि प्रोफेशनल शूटर्स ने घटना को अंजाम दिया।

पांचों को सिर और सीने में मारी गोली

पुलिस के अनुसार भदैनी में राजेंद्र गुप्ता की पत्नी नीतू गुप्ता, बड़े बेटे नवनेंद्र, छोटे बेटे सुबेन्द्र और बेटी गौरंगी समेत पूरे परिवार की सामूहिक हत्या प्लानिंग के तहत कराई गई। सभी को दो से तीन गोलियां मारी गईं। सिर और सीने में गोली मारी गई, ताकि बचने की कोई गुंजाइश न रहे। घटना में 32 बोर की पिस्टल का इस्तेमाल किया गया। पहले सिर फिर सीने में गोली मोरी गई। सिर पर भी किसी वजनदार चीज से वार किया गया है। इससे वारदात के पीछे किसी प्रोफेशनल बदमाशों के होने की आशंका है।

घटना में पुरानी रंजिश का एंगल

राजेंद्र पर 1996-97 में अपने भाई कृष्णा, उसकी पत्नी, पिता लक्ष्मी नारायण गुप्ता और चौकीदार की हत्या के आरोप में सजा हुई थी। उस वक्त कृष्णा के दो बेटे जुगनू और विक्की छोटे थे। बाद में इन दोनों बेटों ने राजेंद्र को सजा दिलाने के लिए कोर्ट में लगातार पैरवी की थी, लेकिन राजेंद्र को जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया। पुलिस 22 साल पुरानी रंजिश के एंगल को भी खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार भतीजे जुगनू के मोबाइल की लोकेशन बनारस में मिली है, लेकिन वह फोन रिसीव नहीं कर रहा है। वहीं पुलिस के बुलाने पर दूसरा भजीता विक्की बनारस आया।

मां के बयान के बाद उलझी गुत्थी

राजेंद्र की मां ने पुलिस को बताया कि घटना के समय राजेंद्र घर में नहीं था। पुलिस ने भी आसपास के तीन सीसीटीवी कैमरा को खंगाला। इसमें भैया दूज के बाद राजेंद्र कहीं भी आता-जाता नहीं दिखा। इससे राजेंद्र ने ही परिवारवालों की हत्या की, इसको लेकर रहस्य गहरा गया है।

दीपावली की रात ही परिवार को खत्म करना चाहता था भतीजा

मोबाइल बंदकर हुआ फरार, पुलिस की पांच टीमें कर रही छापेमारी

उजाला संचार

वाराणसी। भेलूपुर थाना के भदैनी में शराब कारोबारी राजेंद्र गुप्ता और परिवार की दीपावली की रात ही हत्या होने वाली थी। राजेंद्र के बड़े भतीजे विक्की ने हत्याकांड की साजिश रची। राजेंद्र की मां शारदा देवी ने पोते को समझाया। उन्होंने पुलिस को ऑन कैमरा दिए बयान में यह बात कही। घटना के बाद राजेंद्र का छोटा भतीजा और रिश्तेदार पहुंच गए, लेकिन विक्की मोबाइल बंदकर लापता है। इससे शक और गहरा गया है। पुलिस की पांच टीमें दिल्ली, अहमदाबाद, तमिलनाडु, बंगलुरू और मुंबई में उसकी तलाश कर रही हैं।

भदैनी निवासी शराब कारोबारी राजेंद्र गुप्ता, पत्नी नीतू, बेटे नवनेंद्र और सुबेंद्र और बेटी गौरांगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बदमाशों ने पांच लोगों को 15 गोलियां मारीं। पत्नी और बच्चों के शव भदैनी स्थित मकान में मिले, जबकि राजेंद्र का शव रोहनियां के मीरापुर स्थित निमार्णाधीन मकान में मिला था। पुलिस ने राजेंद्र की 80 वर्षीय मां का बयान लिया। उन्होंने वीडियो कैमरे के सामने कहा कि दीपावली से पहले विक्की उनसे मिलने आया था। विक्की कहता था कि उसे और उसके भाई जुगनू को बड़े पापा ने जायदाद से बेदखल कर भिखारी की औलाद कहा था। दीपावली पर बड़े पापा और उसके परिवार को खत्म कर देंगे। शारदा देवी ने विक्की को समझाया कि अब उनका एक ही बेटा बचा है। उसे छोड़ दो और अच्छे से रहो। मगर, वह उनकी बात मानने को तैयार नहीं था। हालांकि, उसने तीन नवंबर को वापस काम पर जाने की बात कही थी। राजेंद्र ने 1996-97 में अपने भाई कृष्णा-उसकी पत्नी, पिता और चौकीदार की हत्या करवाई थी। उस समय विक्की सात साल का था। विक्की का उसके बड़े पिता से अक्सर विवाद होता था। राजेंद्र का छोटा भतीजा जुगनू पुलिस हिरासत में है। राजेंद्र की मां के बयान के बाद पुलिस अब बड़े भतीजे की तलाश कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि वह गिरफ्त में आ गया तो हत्याकांड की गुत्थी सुलझ जाएगी।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

शारदा सिन्हा के छठ गीत सदैव सदियों तक गूंजते ही रहेंगे

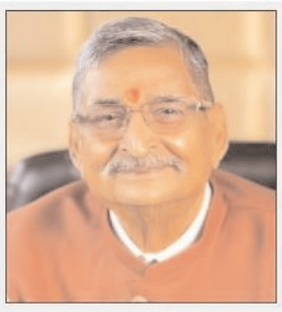

आर.के. सिन्हा

सूर्य आस्था के पञ्चदिवसीय महापर्व छठ के श्रीगणेश के साथ जब सभी छठ पर्व में आस्था रखने वालों का मन उत्साह और आनंद के वातावरण में रमा हुआ था, बस तब ही लोक गायिका पद्मश्री शारदा सिन्हा के निधन का समाचार मानो सारी दुनिया के भोजपुरी भाषियों और प्रेमियों के ऊपर वज्रपात के समान था। हालांकि शारदा जी अब हमारे बीच नहीं रहीं, पर आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदियों तक सदैव बनी रहेगी।

सूर्य आस्था के पञ्चदिवसीय महापर्व छठ के श्रीगणेश के साथ जब सभी छठ पर्व में आस्था रखने वालों का मन उत्साह और आनंद के वातावरण में रमा हुआ था, बस तब ही लोक गायिका पद्मश्री शारदा सिन्हा के निधन का समाचार मानो सारी दुनिया के भोजपुरी भाषियों और प्रेमियों के ऊपर वज्रपात के समान था। हालांकि शारदा जी अब हमारे बीच नहीं रहीं, पर आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदियों तक सदैव बनी रहेगी।

भोजपुरी संगीत में शारदा सिन्हा का नाम एक ऐसा नाम है, जो केवल गायिका से ज्यादा है, एक समृद्ध भोजपुरी संस्कृति का प्रतीक है। उनकी आवाज में न केवल भोजपुरी लोकगीतों की परंपरा झलकती है बल्कि छठ महापर्व पर्व की पवित्रता भी। उनके छठ गीत न केवल भावनाओं को छूते हैं ,बल्कि ; सुनने वालों के दिलों में छठ पर्व की गहराई को भी उकेर देते हैं। अपनी वेशभूषा रहन सहन और बोलचाल में अपनी संस्कृति की गंध लिए शारदा जी एक आम स्त्री बनी रहीं। उन्होंने बताया कि किस तरह एक स्त्री अपनी सफलता की सीढ़ियां अपनी संस्कृति के साथ चढ़ सकती हैं।

शारदा सिन्हा का निधन संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, 'सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं।'

शारदा सिन्हा पिछले कुछ दिनों से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थीं और सोमवार से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

शारदा सिन्हा ने छठ पर्व के गीतों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनके द्वारा गाए गए 'सूर्य देवता, ओ सतवां दिन'... 'छठी मइया के घाट, घाट, घाट' जैसे गीत आने वाली सदियों तक लोकप्रिय रहने वाले हैं और छठ पूजा के दौरान घर-घर सदियों तक गूंजते ही रहेंगे । उनकी आवाज में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धा और भक्ति का ऐसा मिश्रण था जिसने लाखों लोगों को छठ पूजा से जोड़ दिया।

जिस शारदा सिन्हा ने भोजपुरी लोक गीतों को अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर लोकप्रिय बनाया वह अब हमारे बीच नहीं रही हैं। शारदा जी अपने चाँद से मिंलने चली गईं। उनके पति का भी कुछ माह पूर्व ही निधन हो गया था। बिहार में भिखारी ठाकुर , महेंद्र मिसिर, रघुवीर नारायण , मनोरंजन सिन्हा, विंध्यवासिनी देवी की परंपरा को आगे बढानेवाली शारदा जी स्त्री सशक्तिकरण की एक प्रतीक थी। लोक गायक अपनी जनता में किस तरह अमर हो जाता है, इसका एक ताजा उदाहरण थी।उनके गीतों से एक बार सिद्ध हुआ कि भारतीय स्त्रियों ने ही लोकगीतों को बचाये रखा है।

भोजपुर अंचल में स्त्री की वेदना विरह प्रेम वात्सल्य विवाह गीत छठ गीत की आवाज शारदा जी के गीतों में गहरी पीड़ा व्यक्त होती थी। भोजपुर अंचल से बाहर की स्त्रियों ने भी उनकी आवाज में अपनी अभिव्यक्ति पाई थी। शारदा जी ने विशुद्ध पवित्र और सात्विक गीत गाये और बताया कि यही सच्चाई है यही उनके लोकगायकी में शिखर पर पहुँचने का कारण बने ।

भोजपुरी भाषी और भोजपुरी प्रेमी होने के नाते मेरा उनसे आत्मीय संबंध रहा है । वे मुझे बड़ा भाई मानती थीं और मैं भी उन्हें अनेकों कार्यक्रमों में बुलाता रहता था । यह कम ही लोगों को पता होगा कि शारदा जी भोजपुरी भाषी न होकर उत्तर बिहार के मिथिलांचल से थीं। लेकिन , उन्होंने लोकगायकी के लिये भोजपुरी सीखी ।

साठ के दशक में कुमकुम पर फिल्माए गये भोजपुर गीतों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शारदा जी ने गीत गाये थे। हे गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो ,लागी नाही छूटे रामा जैसे गीतों की फिर से याद शारदा जी के गीतों ने दिलाई थी।

शारदा सिन्हा के छठ गीतों की लोकप्रियता का एक कारण उनका गीतों में भावनाओं को सिलसिलेवार ढंग से पिरोना था। वो गीतों के हर शब्द को उस भावना के साथ गातीं, जो छठ पर्व के आस्था और भक्ति के साथ जुड़ी है। उनके गीतों में छठी मइया की कृपा पाने की आस, सूर्य देवता के प्रति आस्था, और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना स्पष्ट रूप से झलकती है।

शारदा सिन्हा के छठ गीतों का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनकी भाषा और शैली है। उनकी आवाज में भोजपुरी भाषा की सरलता, लयबद्धता और भावपूर्णता का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने छठ गीतों को अपनी आवाज से इतना प्रभावी बनाया कि ये गीत अब भोजपुरी संस्कृति का अभिन्न अंग बन चुके हैं।

शारदा सिन्हा जी के गीतों को नौजवान पीढ़ी भी उतनी ही शिद्दत से सुनती है, जितनी उनके समय में सुनती थी। उनके गीतों को अनेक कलाकारों ने अपने अंदाज में गाया है।

शारदा जी के छठ गीत केवल गीत नहीं हैं, वे भोजपुरी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे छठ पर्व के प्रति श्रद्धा और भक्ति को प्रोत्साहित करते हैं और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजो कर रखते हैं।

शारदा सिन्हा , भोजपुरी संगीत की एक ऐसी रानी हैं जिनके प्रशंसक सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सारे संसार में हैं। उनकी लोकप्रियता के पीछे कई कारण रहे। उनकी गायन शैली बेहद अलग और जिंदादिल है। वो अपनी आवाज से हर किरदार को जीवंत कर देती हैं, चाहे वो प्यार की बात हो, दर्द की बात हो या फिर सामाजिक मुद्दों की।

उनका संगीत जनता से सीधा जुड़ता है। उनके गाने अक्सर जीवन के आम अनुभवों, प्रेम, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक मुद्दों को दशार्ते हैं।

शारदा सिन्हा के गाने सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश भी देते हैं। वो महिलाओं की ताकत और स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाती हैं, और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी मुखर हैं।

शायद ही कोई भोजपुरी भाषी या प्रेमी हो, जिसकी जुबान पर शारदा सिन्हा के गाने ना जुबान पर ना चढ़े हुए हैं। उनकी आवाज और गाने भोजपुरी संगीत के इतिहास में हमेशा अमर रहेंगे। महत्वपूर्ण है कि उनकी लोकप्रियता सिर्फ एक गायिका के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक शख्सियत के तौर पर भी है। उनके गाने लोगों को भावनात्मक तौर पर जोड़ते हैं, और उन्हें जीवन के मुश्किल समय में भी हिम्मत देते हैं। उन्होंने अपने गीतों से सिद्ध किया कि लोक की शक्ति ही कला को लोकप्रिय बनाती है। लोकप्रियता में गुणवत्ता भी होती है। उन्होंने भोजपुरी गीतों की लोकप्रियता और गुणवत्ता दोनों को बचाये रखा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

निंदा के साथकार्रवाईभी हो

कनाड़ा के साथ चल रहे विवादों के बीच ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर हिन्दू मंदिर में घुसकर श्रद्धालुओं को निशाना बनाया। बच्चों और महिलाओं को लाठी-डंड़ों से पीटा गया। भारतीय उच्चायोग की ओर से लगाए गए वीजा शिविर को भी निशाना बनाया। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है, 'मैं हिन्दू मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। उम्मीद करते हैं कि कनाड़ा की सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और विधि का शासन कायम करेगी।' प्रतिक्रिया से जाहिर होता है कि आने वाले दिनों कनाड़ा के प्रति भारत का रुख और सख्त होगा। पिछले वर्ष अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्वामी नारायण मंदिर को खालिस्तान समर्थक तत्वों ने निशाना बनाया था। मंदिर की बाहरी दीवारों पर नारे लिखकर

आतंकवादी भिंड़रावाले को शहीद बताया गया था। सैनफ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में आगजनी की कोशिश की गई थी। भारतीय अधिकारियों की शिकायत पर दोषियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाईनहीं की गई। अमेरिका ऐसी भारत विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से नहीं लेता। गौर करने वाली बात है कि बाइडन प्रशासन गुरपतवंत सिंह जैसे घोषित आतंकवादियों को संरक्षण दे रहा है तो कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो के लिए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर नागरिक स्वतंत्रता का हीरो बन गया है। कनाड़ा में आपराधिक गैंगवार के चलते जो हत्याएं हुई हैं उनके लिए वह इन गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय भारतीय एजेंसियों को ही कठघरे में खड़ा कर रहा है। इन घटनाक्रम से जाहिर होता है कि अमेरिका की अगुवाई वाले 'फाइव आईज' देश भारत के खिलाफ सुनियोजित षड़ज्ंत्र रच रहे हैं। फाइव आईज एक तरह का नस्लवादी गुट है जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड़ शामिल हैं। इन देशों में अंग्रेज मूल के लोगों का वर्चस्व है और इनकी घरेलू और विदेश नीति एक जैसी है। किसी भी अन्य देश के बारे में यह गुट एक जैसा रवैया अपनाता है। इन दिनों इनकी भृकुटी भारत पर तनी हुई है। इन देशों को इस बात की भी परवाह नहीं है कि मुट्ठी भर खालिस्तानियों को बचाने के लिए वे दुनिया के सबसे बड़े. लोकतांत्रिक देश भारत के साथ संबंध क्यों खराब कर रहे हैं। हालांकि ट्रूड़ो ने हिन्दू मंदिर पर हमले की निंदा की है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उनकी सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाईकरनी चाहिए। भारत की यही मांग है।

चिंतन-मनन

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र ! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई।

इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवसः योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पाये

ललित गर्ग

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम ह्यदेखभाल की कमी को पूरा करेंह्ण है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है।

घुलनशील खाद : भुलाए नहीं भूलेगी यह हार

मनोज चतुर्वेदी

पानी में घुलनशील उर्वरक का उपयोग दक्षता बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करने और मक्का जैसी चारा फसलों में उच्च पैदावार को बनाए रखने के लिए एक प्रमुख कृषि-अवरोध के रूप में उभरा है। पारंपरिक उर्वरक अक्सर असमान पोषक तत्व वितरण, खराब फसल प्रतिक्रिया और पर्यावरणीय नुकसान के कारण बनते हैं। इसके विपरीत, पानी में घुलनशील उर्वरक संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं, और फोरेज में नाइट्रेट संचय जैसे मुद्दों को रोकते हैं, जो पशुधन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

चारा उत्पादन में उर्वरक आवेदन महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह चुनौतियों के साथ आता है। मक्का के चारे में बायोमास और कच्चे प्रोटीन को बढ़ाते हुए नाइट्रोजन-भारी उर्वरकों के परिणामस्वरूप नाइट्रेट संचय हो सकता है, जो पशुधन को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रभावी उर्वरक उपयोग संतुलित पोषक तत्वों की आपूर्ति, फसल प्रतिक्रिया में सुधार और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करता है। अंधाधुंध उर्वरक आवेदन के कारण फसल की पैदावार खराब हो सकती है, मिट्टी के स्वास्थ्य का क्षरण और प्रदूषण हो सकता है। क्षेत्र परीक्षण पोषक तत्वों की आपूर्ति, पोषक तत्वों का उपयोग दक्षता और फसल प्रतिक्रियाओं में पर्याप्त परिवर्तनशीलता को प्रकट करते हैं। क्षेत्रों में इस तरह की विसंगतियां समग्र चारा उत्पादकता को प्रभावित करती हैं। इन अक्षमताओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट क्षेत्र विशेषताओं के अनुरूप सटीक पोषक तत्व और फसल प्रबंधन आवश्यक है। मिट्टी और उर्वरक वितरण के प्रबंधन के लिए ज्ञान-गहन ड्डष्टिकोण चारा उत्पादन में परिणामों में काफी सुधार कर सकते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरक पौधों के लिए बेहतर पोषक तत्वों की पेशकश करके आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं। ये उर्वरक पूरी तरह से पानी में घुलनशील होते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरकों का उपयोग विभिन्न प्रकार के क्षेत्र की स्थितियों में किया जा सकता है, और एक कुशल, संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करता है, जिससे उच्च चारा पैदावार और चारा की पोषण गुणवत्ता में सुधार होता है जबकि पानी में घुलनशील उर्वरक कई लाभ प्रदान करते हैं, पोषक तत्व अधिभार का खतरा होता है। यदि वे ओवरएप्ड या अनुचित रूप से पतला होते हैं, तो फाइटोटॉक्सिक चोट (पौधे की क्षति) हो सकती है। यह सही खुराक और अनुप्रयोग तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कृषि विगण केंद्र, बरनाला द्वारा किए गए फील्ड ट्रायल ने मक्का चारा उत्पादन में पानी में घुलनशील उर्वरकों (एनपीके 19-19-19) की प्रभावशीलता का आकलन किया। पता चला कि 75प्र. आरडीएफ के साथ संयुक्त, 1प्र. एकाग्रता में पानी में घुलनशील उर्वरकों के पर्ण आवेदन, मक्का के पौधे की वृद्धि (ताजा और शुष्क वजन) और हरे रंग की चारा की उपज में काफी वृद्धि हुई है। पारंपरिक प्रथाओं की तुलना में चारे की पोषण गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। पानी में घुलनशील उर्वरक लीचिंग को कम करते हैं, प्रमुख पोषक तत्वों (एन, पी, के) और नाइट्रोजन वाष्पशीलकरण के अपवाह हानि को कम करते हैं, जो कम उत्पादन लागत में अनुवाद करता है, और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है। कम पोषक तत्व अपव्यय और बेहतर दक्षता के परिणामस्वरूप किसानों के लिए कम वित्तीय बोझ में, विशेष रूप से उर्वरक लागत के मामले में।

इस्राइल, जो जल-कुशल कृषि प्रथाओं के लिए जाना जाता है, ने उर्वरक के उपयोग को उर्वरक के उपयोग का उपयोग किया है, जो उर्वरक आवेदन के साथ सिंचाई को एकीकृत करता है। पानी में घुलनशील उर्वरकों को सिंचाई के पानी में भंग कर दिया जाता है, और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से सीधे रूट जोन तक पहुंचाया जाता है। ऑस्ट्रेलियाई किसान एक संतुलित पोषक तत्व प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए जैविक और धीमी गति से रिलीज उर्वरकों के साथ पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को जोड़ते हैं। जापान नियंत्रित-रिलीज पानी में घुलनशील उर्वरकों को विकसित करने में सबसे आगे रहा है, जो पोषक तत्वों को धीरे-धीरे लंबी अवधि में जारी करने की अनुमति देते हैं। यूरोप में, विशेष रूप से नीदरलैंड़ जैसे देशों में स्थायी कृषि प्रमाणन योजनाएं पर्यावरण के अनुकूल खेती प्रथाओं के साथ संयोजन में पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करती

हैं। जल-घुलनशील उर्वरकों जैसे पर्यावरण के अनुकूल और कुशल उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों और सब्सिडी को मजबूत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरकों को अन्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों, जैसे फसल चक्रण, कार्बिनक पदार्थ समावेशन और जल प्रबंधन तकनीकों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरक संतुलित, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जो पर्यावरणीय जोखिम कम करते हुए किसानों को कृषि उत्पादकता बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

सार्ट सर्किट से लगी आग में करीब 80 बोझ धान जल कर खाक

दुल्लहपुर-गाजीपुर। बीती रात अचानक सार्ट सर्किट की वजह से दरवाजे पर रखा बोझे का गल्ला जल कर खाक हो गया जिसकी जानकारी देते हुए प्रधान प्रतिनिधि श्यामपत राजभर (साधु)ने बताया कि सभी लोग खाना खा कर सो रहे थे कि अचानक बिजली के केवल से हुई सार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई और जलने के बाद धुँवा और तेज लपटों की तड़तड़ाहट को सुन लोगों की आंख खुली तो सभी लोग आवाक रह गए और शोर मचाते हुवे आग बुझाने में जुट गए शोर गुल सुन आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया फिर भी 80 से 100 बोझ धान जल कर खाक हो गया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को यूट्यूब का गोल्डन बटन मिला, 10 लाख सब्सक्राइबर्स हुए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब का गोल्डन बटन दिया गया है। उनके यूट्यूब पर 10 लाख सब्सक्राइबर हो गए हैं। नितिन गडकरी ने 2021 में अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था, जिस पर अभी तक लगभग 4,200 वीडियो पोस्ट किए गए हैं।

पी चिदंबरम ने एयर इंडिया पर लगाए बदइंतजामी के आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने एयर इंडिया के स्टाफ पर बदइंतजामी के आरोप लगाए हैं। खास बात ये है कि चिदंबरम ने ये आरोप सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लगाए हैं। 15 मिनट से वो एयरो ब्रिज पर खड़े होकर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे, लेकिन विमान का दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने ट्वीट किया है। पी चिदंबरम ने एक्स पर ट्वीट किया, दिल्ली से चेन्नई जा रही उड़ान एआई 540 के सभी यात्री पिछले 15 मिनट से एयरो ब्रिज पर खड़े हैं। हमें गेट पर चढ़ने के लिए मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन विमान के दरवाजे पर इंतजार करने के लिए कहा गया था। यात्री प्रस्थान समय के 10 मिनट बाद ही सवार हो रहे हैं। कोई नहीं जानता कि फ्लाइट कब रवाना होगी। इसके बाद कांग्रेस के सीनियर नेता ने लिखा, मैं एयर इंडिया से अक्सर यात्रा करता रहा हूं। मुझे खेद है कि प्रबंधन के सरकार से निजी क्षेत्र में हाथ बदलने के बाद से व्यावहारिक रूप से कोई सुधार नहीं हुआ है। मैं उड़ान के कई पहलुओं को सूचीबद्ध कर सकता हूं, जिन्हें एक सक्षम प्रबंधन द्वारा बेहतर बनाया जा सकता है। मुझे लगता है कि एयर इंडिया में विभिन्न स्तरों पर सक्षम प्रबंधकों की कमी है।

पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। त्योहारों के अवसर पर यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए कई पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में छठ पर्व बाद नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक जोड़ी अतिरिक्त पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 03329 पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल 09.11.2024 एवं 11.11.2024 को पटना से 14.05 बजे खुलकर दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते अगले दिन 08.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 03330 नई दिल्ली-पटना पूजा स्पेशल 10.11.2024 एवं 12.11.2024 को नई दिल्ली से 09.30 बजे खुलकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर के रास्ते अगले दिन 02.20 बजे पटना पहुंचेगी। इस बात की जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने एक विज्ञप्ति में दी। न यादव ने इस बार कड़ा रुख अख्तियार किया है।

आईसीजी महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा, आधारशिला रखी गई

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) नई दिल्ली के महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा। आईसीजी के उप महानिदेशक (नीति एवं योजना) एवं महानिरीक्षक (आईजी) आनंद प्रकाश बडोला ने प्रोजेक्ट डिजिटल कोस्ट गार्ड (डीसीजी) के टियर-III के तहत डेटा सेंटर की आधारशिला रखी। नवीनतम तकनीक से लैस यह डेटा सेंटर महत्वपूर्ण आईटी संसाधनों की निगरानी और प्रशासन के लिए मस्तिष्क केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे आईसीजी के प्रशासनिक कामकाज को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

30 नवंबर तक भरपूर चौड़ी होंगी संगम की ओर जाने वाली रोड्स

मेला क्षेत्र की सभी रोड्स का किया जा रहा चौड़ीकरण, हनुमान मंदिर से संगम तक जाने के लिए बन रही हैं इंटर लॉकिंग रोड्स, पीडीए व छावनी परिषद के सहयोग से हो रहा है रोड्स का निर्माण

उजाला संचार

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर पूरे शहर में सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य जोरों पर हैं। ऐसे में महाकुंभ के केंद्रीय स्थल संगम की ओर जाने वाली सड़कों के चौंडीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी अंतिम चरण में है। इसको 30 नवंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

अपर मेलाधिकारी विवेक चतुवेर्दी ने बताया कि पीडीए और छावनी परिषद के सहयोग से शहर से संगम को जोड़ने वाली सड़कों का निर्माण कार्य 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या के मुताबिक मेला क्षेत्र की सभी सड़कें पिछले कुंभ की तुलना में दोगुनी से ज्यादा संख्या में चौड़ी की जा रही हैं।

महाकुंभ 2025 का सफल आयोजन सीएम योगी की प्राथमिकता है। ऐसे में यूपी सरकार इसके आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रही है। महाकुंभ 2025 में लगभग 40 करोड़ लोगों के प्रयागराज आने का अनुमान है, जो कि पिछले कुंभ मेले की तुलना में ढेढ़ से दो गुना है। सड़कों का चौड़ीकरण भी उसी अनुपात में किया जा रहा है। महाकुंभ में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं का मुख्य गंतव्य स्थल त्रिवेणी संगम है। त्रिवेणी संगम को शहर से जोड़ने वाली सभी सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

अपर मेलाधिकारी ने बताया कि शहर से संगम जाने वाली त्रिवेणी रोड़, लाल सड़क, काली सड़क, नवल राय रोड़, किला घाट रोड़ व दारागंज रोड़ के चौड़ीकरण का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। श्रद्धालुओं की संख्या के अनुमान के मुताबिक सभी सड़को की क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। साथ ही सड़कों के दोनों ओर इंटरलॉकिंग फुटपाथ भी बनाए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। प्रयागराज जंक्शन से संगम को जोड़ने वाली त्रिवेणी रोड़ और दारागंज की रिवर फ्रंट रोड का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र की सड़कें छावनी परिषद के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। इन सड़कों का निर्माण व चौड़ीकरण का कार्य पीड़ीए व छावनी परिषद के सहयोग से हो रहा है। साथ ही किला घाट और हनुमान मंदिर के आगे संगम नोज तक जाने वाली इंटर लॉकिंग सड़कें भी दोगुनी चौड़ी की जा रही हैं। इनका निर्माण कार्य भी 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। सड़क के किनारे व मुख्य चौराहों पर होर्डिंग व साइन बोर्ड के जरिए श्रद्धालुओं को मेले के मुख्य दर्शनीय स्थलों के बारे में सभी जरूरी सूचनाएं दी जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह सूचना व पूछताछ केंद्र भी बनाए जाएंगे।

महाराष्ट्र चुनावः गठबंधन में शामिल हुई सपा

पार्टी की सिटिंग सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारेगा महाविकास अघाड़ी

लखनऊ। हरियाणा चुनाव से सबक लेते हुए इंडिया गठबंधन में महाराष्ट्र के चुनाव में सपा को शामिल किया गया है। महाराष्ट्र में सपा की दो सिटिंग सीटों पर महा विकास अघाड़ी (इंडिया) गठबंधन ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे। शिवसेना (यूबीटी) के अनुरोध पर भायखला में सपा अपना प्रत्याशी वापस लेगी। इस तरह से सपा अब महाराष्ट्र मे आठ विधानसभा सीटों पर जोर लगाएगी। सपा ने गठबंधन के तहत महाराष्ट्र में 12 सीटें मांगी थीं, पर इन पर विचार नहीं किया गया। सिर्फ सपा की दो सिटिंग सीटों मानखुर्द शिवाजी नगर और भिवंडी ईस्ट में गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल ने प्रत्याशी नहीं उतारे। सपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी महाराष्ट्र में इन दो सीटों के अलावा मालेगांव मध्य, धुले शहर, भिवंडी पश्चिम, तुलजापुर, परांडाय और औरंगाबाद पूर्व में चुनाव लड़ रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वहां जनसभाएं कर चुके हैं। ऐसे माना जा रहा है कि बाकी आठ सीटों पर सपा के साथ महा अघाड़ी गठबंधन के प्रत्याशियों की फ्रेंडली फाइट होगी।

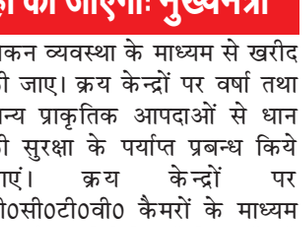

उद्धव ने किया अनुरोधः सूत्रों के अनुसार उद्धव ठाकरे ने निजी तौर पर सपा से भायखाला सीट पर प्रत्याशी वापस लेने की बात कही है। सपा ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। अब वह इस सीट पर प्रत्याशी नहीं उतारेगी।

मोदी और शाह के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर गिरा

-संजय राउत ने केंद्रीय नेतृत्व को लिया निशाने पर

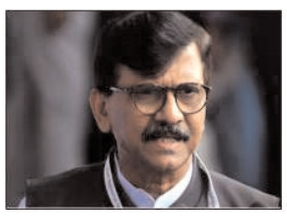

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर नीचे चला गया है। संभवतः यही वजह है कि बीते दिनों शरद पवार ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। लेकिन, हम जैसे सभी लोग जो उन्हें चाहते हैं, उनसे आग्रह करना चाहेंगे कि वो राजनीति से अभी संन्यास ना लें।

उन्होंने कहा, कि शायद यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शरद पवार भारतीय राजनीतिक जगत के सर्वाधिक वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। उनके जैसा वरिष्ठ नेता भारतीय राजनीति में मौजूदा समय में कोई दूसरा नहीं है। हम सभी लोगों ने उनसे राजनीति का पाठ पढ़ा और सीखा है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की यात्रा के दौरान अमिट छाप छोड़ी है। ऐसे में उनकी उपेक्षा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन, इस बात को भी खारिज करना गवारा नहीं रहेगा कि मौजूदा वक्त में जिस तरह से राजनीति का स्तर नीचे चला गया है, वो निंदनीय है। शायद इसी वजह से पवार ने बीते दिनों चुनाव ना लड़ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन, हम चाहेंगे कि वो राजनीति में बने रहें। इसी बीच उन्होंने देवेंद्र फडणवीस को भी आड़े हाथों लिया और कहा, कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि, यहां एक बात मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उनका विरोध करने से कुछ होने वाला नहीं है। उद्धव ठाकरे स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनेगा। लेकिन, ना जाने क्यों कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। इसी के साथ सवाल करते हुए राउत ने कहा, कि जब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो सकता है, तो हमारे महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर क्यों नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्टकर देना चाहता हूं कि हम महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनवाकर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के दौरान भी कई फडणवीस थे, जिन्होंने उनका विरोध किया था। लेकिन, उनके वजूद पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आई थी। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि कोई उनका कितना भी विरोध क्यों ना करे, लेकिन उनकी अस्मिता पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने वाली है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में धान खरीद की समीक्षा की

धान खरीद प्रक्रिया को पूरी तत्परता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए, प्रदेश सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि, धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः मुख्यमंत्री

- **प्रत्येक दशा में खरीद के 48 घण्टे में कृषक को भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाए**
- **क्रय केन्द्रों पर किसानों की बुनियादी सुविधाओं व आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए**
- **क्रय केन्द्रों पर सी0 सी0 टी0 वी0 कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जाए**
- **समस्त कार्यों की मुख्यालय से अनवरत मॉनीटरिंग की जाए**
- **प्रदेश सरकार ने फेयर प्राइस शॉप को मॉडल फेयर प्राइस शॉप बनाने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में धान खरीद की समीक्षा की। उन्होंने मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद प्रक्रिया को पूरी तत्परता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों की सुविधा के दृष्टिगत प्रदेश के सभी क्रय केन्द्र क्रियाशील रहें। प्रत्येक दशा में खरीद के 48 घण्टे में कृषक को भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने, छाया एवं पेयजल आदि बुनियादी सुविधाओं व आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए। बोरे की कमी कहीं न हो। टोकन व्यवस्था के माध्यम से खरीद की जाए। क्रय केन्द्रों पर वर्षा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से धान की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबन्ध किये जाएं। क्रय केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जाए। कर्मचारियों की समय से तथा अनवरत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इन समस्त कार्यों की मुख्यालय से लगातार मॉनीटरिंग भी की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक पात्र परिवार को राशन आसानी से तथा पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने की दिशा में किये गए प्रयासों के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश सरकार ने फेयर प्राइस शॉप को मॉडल फेयर प्राइस शॉप बनाने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव खाद्य श्री आलोक कुमार, खाद्य आयुक्त श्री सौरभ बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने, छाया एवं पेयजल आदि बुनियादी सुविधाओं व आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए। बोरे की कमी कहीं न हो। टोकन व्यवस्था के माध्यम से खरीद की जाए। क्रय केन्द्रों पर वर्षा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से धान की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबन्ध किये जाएं। क्रय केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जाए। कर्मचारियों की समय से तथा अनवरत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इन समस्त कार्यों की मुख्यालय से लगातार मॉनीटरिंग भी की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक पात्र परिवार को राशन आसानी से तथा पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने की दिशा में किये गए प्रयासों के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश सरकार ने फेयर प्राइस शॉप को मॉडल फेयर प्राइस शॉप बनाने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव खाद्य श्री आलोक कुमार, खाद्य आयुक्त श्री सौरभ बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री दिए, उन पर संदेह करना गलत

-पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता अब्बास पे की फैसले की तारीफ

-सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की वैधता को बरकरार रखते हुए मदरसों के संचालन के अधिकारों की पुष्टि की। कोर्ट ने कहा कि यह अधिनियम राज्य की उस जिम्मेदारी के अनुरूप है, जो यह तय करती है कि मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षा का स्तर ऐसा हो जो छात्रों को समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने और जीविकोपार्जन में सक्षम बनाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने स्वागत किया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिनियम असंवैधानिक नहीं हो सकता क्योंकि इसके जरिए से हजारों लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अब मदरसे बिना किसी बाधा के स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने भी फैसले की तारीफ की और कहा कि मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री और राज्यपाल जैसे अहम पद के विराजमान अधिकारी दिए हैं। उन्हें संदेह की नजर से देखना सहीं नहीं है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मौलाना काब रशीदी ने इसे एक बड़ा संदेश बताया है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का आभार मानते हुए उसका स्वागत किया। सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कोई कानून तभी असंवैधानिक माना जा सकता है जब वह संविधान के भाग-3 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। उन्होंने साफ कहा कि यह कानून राज्य की विधायी क्षमता के अंतर्गत आता है और उच्च न्यायालय ने इसे धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन मानने में गलती की थी।

हालांकि, कोर्ट ने फाज़िल और कामिल जैसी डिग्रियों पर अधिनियम के प्रावधानों को असंवैधानिक माना क्योंकि ये डिग्रियां यूजीसी अधिनियम के तहत आती हैं, जो उच्च शिक्षा को नियंत्रित करती है। इन प्रावधानों को संविधान के केंद्रीय अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण राज्य की विधायी सीमा से बाहर करार दिया। इस फैसले ने मदरसा अधिनियम को संवैधानिक मान्यता देते हुए, मदरसों को स्वतंत्र रूप से शिक्षा प्रदान करने का अधिकार तय किया है, जबकि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूजीसी के अधिकार क्षेत्र की भी पुष्टि की।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुंचे वाराणसी

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए रैली में हुए शामिल

उजाला संचार

वाराणसी। गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए केदारनाथ विद्यामठ वाराणसी में रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती वाराणसी पहुंचे। जहां गौ रक्षकों ने स्वामी का भव्य स्वागत रंगों की रंगाली बनाकर दीपों और फूल-मालाओं से सजाकर किया। बता दें की 23 फरवरी को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इस आंदोलन की शुरूआत गौ हुंकार रैली के साथ की गई।

भारत में गौ माता सदियों से

समृद्धि, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक रही हैं। हमारी संस्कृति और पर्यावरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हुए, गोपाल गोलोक धाम रामेश्वरी भक्ति आश्रम ट्रस्ट ने भारतीय गौ क्रांति मंच के तहत गौ माता राष्ट्रमाता आंदोलन की शुरूआत की है। इस आंदोलन का उद्देश्य गौ माता को आधिकारिक रूप से भारत की ह्वराष्ट्रमाताह्व घोषित करवाना है।

इस रैली का उद्देश्य इस संदेश को देश के हर कोने तक पहुंचाना रहा है।

इस अवसर पर गौ सेवक ज्योति कुमारी, रंजू देवी, प्रिया, रानी, सपना बिन्द, अंजलि, सुभाष सोनकर और हजारी शुक्ला मौजूद रहे।

दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है, 358 रहा औसत एक्यूआई

- बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में हो रही परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। दिल्ली वासियों को खासतौर पर बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7.30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 358 अंक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 234, गुरुग्राम में 304, गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 274 और नोएडा में 266 एक्यूआई रहा। दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर मापा गया, जिसमें बवाना में 412, मुंडका में 419, एनएसआईटी द्वारका में 447 और वजीरपुर में 421 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया गया। अलीपुर में 372, अशोक विहार में 398, आया नगर में 334, बुराड़ी क्रॉसिंग में 370, चांदनी चौक में 311, मथुरा रोड में 333, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 367, डीटीयू में 355, द्वारका सेक्टर 8 में 355, आईजीआई एयरपोर्ट में 347, आईटीओ में 327, जहांगीरपुरी में 398, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 315 और लोधी रोड में 309 एक्यूआई रहा। इनके अलावा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 354, मंदिर मार्ग में 356, नजफगढ़ में 354, नरेला में 377, नेहरू नगर में 376, न्यू मोती बाग में 381, नॉर्थ कैंपस डीयू में 373, ओखला फेस 2 में 357, पटपड़गंज में 381, पंजाबी बाग में 388, पूषा में 330, आर के पुरम में 373, शादीपुर में 372, सिरी फोर्ट में 341, सोनिया विहार में 354 और दिलशाद गार्डन में 358 एक्यूआई दर्ज किया गया। एक दिन पहले की बात करें तो मंगलवार को सुबह 7.15 बजे तक दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 384 दर्ज किया गया था। दिल्ली के 14 इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 के ऊपर मापा गया था, जबकि 23 स्थानों पर ये 300 से 400 के बीच बना रहा।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

सार संक्षेप

असलंका करेंगे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 मैचों में श्रीलंका टीम की कप्तानी

कोलंबो : चरिथ असलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय और टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका ने हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ियों को भी दोनों प्रारूपों के लिए टीम में जगह दी है। नौ और 10 नवंबर को दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। वहीं 13, 17 और 19 नवंबर को एकदिवसीय मैच होंगे। पहले तीन मैच रांगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तथा अंतिम दो एकदिवसीय मैच पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। श्रीलंका की एकदिवसीय टीम:- चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसंका, अविष्का फर्नांडो, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, सदीरा समरविक्रमा, निशान मदुश्का, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्षणा, जेफरी वांडरसे, चामिदु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका और मोहम्मद शिराज।

हॉकी इंडिया का लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स हुआ शुरू

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया का बुधवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स 2024 शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम में 96 महत्वाकांक्षी भारतीय कोच अपने कौशल को बढ़ाने के साथ नवीनतम कोचिंग तकनीकों के बारे में जान सकेंगे। उम्मीदवारों को 24 के चार बैचों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें अंतिम बैच का कोर्स 14 नवंबर को समाप्त होगा। हॉकी इंडिया के शिक्षक बीजे करिअप्पा, विक्रम कांत और एडगर मस्कारेनहास नौ दिवसीय कार्यक्रम के जरिए उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करेंगे। लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स के सफल समापन के बाद उम्मीदवार लेवल 'दो' कोचिंग कोर्स में दाखिले के पात्र होंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने इस पहल पर कहा कि हमें 2024 के लिए हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स शुरू करने की खुशी है। यह कार्यक्रम हमारे कोचों को नवीनतम तकनीकों और ज्ञान से विकसित और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण मिशन है। हमारा मानना है कि भारत में हॉकी के विकास और सफलता के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित कोच आवश्यक हैं और हम उन्हें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स की शुरुआत भारत में हॉकी कोचिंग के मानकों को बढ़ाने के हमारे चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने कोचों को नवीनतम कौशल और कार्यप्रणाली से लैस करके, हमारा लक्ष्य प्रतिभा की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देना है जो भारतीय हॉकी के भविष्य को आगे बढ़ाएगी। हम इस कोर्स के हमारे कोचों और अंततः उनके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को देखकर उत्साहित हैं।

स्वियाटेक को हराकर गॉफ डब्ल्यूटीए फाइनल में सेमीफाइनल में

रियाद : अमेरिका की महिला टेनिस स्टार कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल में गत चैंपियन इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। ऑरेंज ग्रुप एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में 3-3 तक सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद गॉफ ने लगातार दो बार स्वियाटेक की सर्विस तोड़कर पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने पहले आठ गेम में दो बार एक दूसरे की सर्विस तोड़ी और स्कोर 4-4 पर पहुंच गया। इसके बाद गॉफ ने एक बार फिर स्वियाटेक की सर्विस तोड़कर यह सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा कि आज यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक अच्छा मैच था। आप जानते हैं कि इगा के साथ खेलना मेरे लिए कठिन है, लेकिन मैं वास्तव में खुश हूं कि मैं पूरा मैच में खेलने में कामयाब रही। वहीं एक अन्य मैच में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा ने अमेरिकी जेसिका पेगुला को एक घंटे और 9 मिनट चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया।

यू मुंबा ने रोमांचक मुकाबले में पटना को 2 अंक से हराया

हैदराबाद : यू मुंबा और पटना पाइरेट्स के बीच बुधवार को खेले गये प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 37वें मुकाबले में अंतिम सेकेंड तक दोनों टीमों के बीच आगे निकलने की होड़ लगी रही और मुंबा ने पटना को अंतिम मिनट में आलआउट कर यह मैच 42-40 से जीत लिया। यहां गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में मुंबा ने जीत दर्ज की। सात मैचों में चौथी जीत के साथ मुंबा अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उसकी जीत में अजीत चव्हाण (19 अंक) सुपर हीरो बनकर उभरे। अजीत ने दो सुपर रेड के साथ देवांक (15 अंक) और अयान (8 अंक) को फीका साबित किया। यह छह मैचों में पटना की तीसरी हार है। शुरुआती 11 मिनट में दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। पटना ने 10-9 की लीड बना रखी थी। देवांक की बदौलत पटना ने 3-1 की लीड के साथ शुरुआत की और फिर अयान के मल्टी प्वाइंट्स की बदौलत अपनी लीड को 9-6 तक पहुंचा दिया।

कोहली 10 साल बाद टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से बाहर

रोहित 26वें नंबर पर पहुंचे, सिर्फ दो बल्लेबाज टॉप-10 में, जडेजा फिर टॉप ऑलराउंडर

विराट कोहली 2014 में आखिरी बार टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से हुए थे बाहर

दुबई, वार्ता : आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के विराट कोहली टॉप-20 और रोहित शर्मा टॉप-20 से बाहर हो गए हैं। बुधवार को जारी हुई नई रैंकिंग में ऋषभ पंत और शुभमन गिल को फायदा हुआ। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन पांचवें नंबर पर पहुंच गए।

टेस्ट टीम रैंकिंग में न्यूजीलैंड एक स्थान की छलांग लगाकर 5वें नंबर पर पहुंच गया। टीम ने श्रीलंका को पीछे धकेला। ऑस्ट्रेलिया पहले और भारत दूसरे नंबर पर मौजूद है। रवींद्र जडेजा ऑलराउंडर की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर आर. अश्विन हैं। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में विराट कोहली एक ही फिफ्टी लगा सके। उन्होंने 10 पारियों में 21.33 की औसत से 192 रन बनाए। लगातार 5 टेस्ट में कमजोर प्रदर्शन के कारण विराट को 8 स्थान का नुकसान हुआ और वह 22वें नंबर पर पहुंच गए। विराट 10 साल बाद टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से बाहर हुए, आखिरी बार 2014 में वह इंग्लैंड के खिलाफ खराब परफॉर्मेंस के कारण टॉप-20 से बाहर हुए थे। उसी साल उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 4 सेंचुरी लगाकर टॉप-10 में वापसी की थी। भारत अब 22 नवंबर से फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही जा रहा है। विराट कोहली पिछले 5 टेस्ट में एक ही फिफ्टी लगा सके हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को भी नुकसान हुआ, वह 24वें से 26वें नंबर पर पहुंच गए। भारत के विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत ने टॉप-10 में एंट्री की, वह छठे नंबर पर पहुंच गए। शुभमन गिल भी 4 स्थान की छलांग लगाकर 16वें नंबर पर पहुंच गए। टेस्ट बल्लेबाजों में टॉप भारतीय यशस्वी

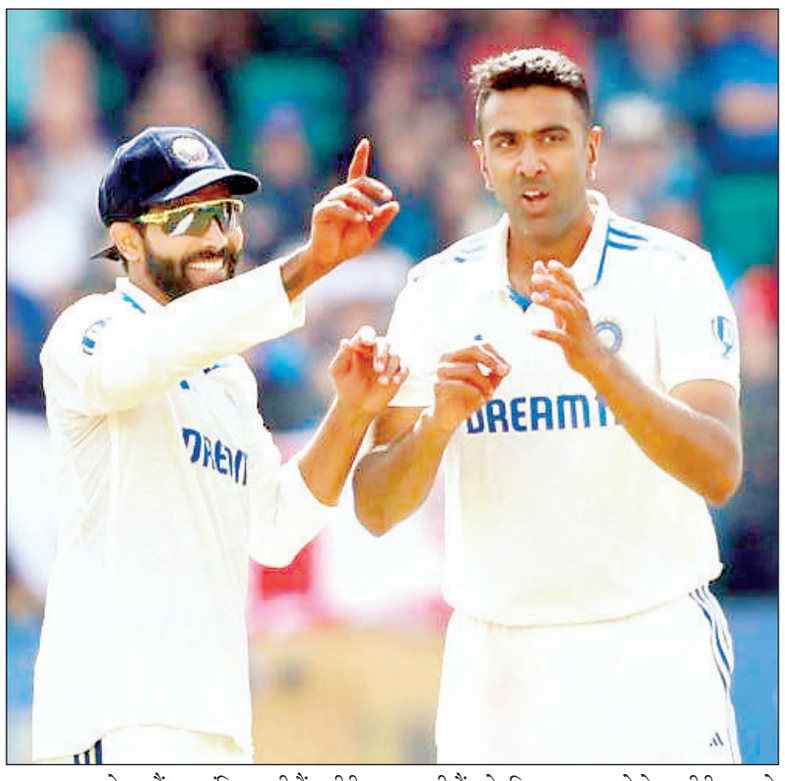

जायसवाल बने हुए हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद वह भी एक स्थान का नुकसान झेलकर चौथे नंबर पर पहुंच गए। इंग्लैंड के जो रूट पहले और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे नंबर पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले और रविचंद्रन अश्विन दूसरे नंबर पर थे। न्यूजीलैंड सीरीज के बाद बुमराह तीसरे और अश्विन पांचवें नंबर पर पहुंच गए। हालांकि, रवींद्र जडेजा 2 स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा पहले और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे नंबर पर कायम हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से टेस्ट सीरीज हारने के बाद भी भारत टीम रैंकिंग में दूसरे नंबर पर कायम है। ऑस्ट्रेलिया टॉप पर है। न्यूजीलैंड एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गया। टीम इंडिया वनडे और टी-20 की टॉप टीम बनी हुई है। न्यूजीलैंड ने भारत में 3-0 से टेस्ट जीतकर इतिहास रच दिया है। जबकि टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की राह को बहुत मुश्किल बना लिया है। टीम को अब बाकी टीमों पर निर्भर नहीं रहना तो 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली 5 टेस्ट की सीरीज में 4 मैच जीतने ही होंगे।

बोर्ड गेंद विवाद पर स्पष्टीकरण दे : वॉर्नर

सिडनी, वार्ता : ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया ए और इंडिया ए के बीच मैके में खेले गए पहले अनौपचारिक टेस्ट के अंतिम दिन गेंद बदले जाने को लेकर हुए विवाद पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से स्पष्टीकरण की मांग की है। वॉर्नर गेंद विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अंतिम निर्णय तो सीए को करना है। मुझे लगता है कि सीए ने जितनी जल्दी हो सके इस मामले को दबा दिया क्योंकि भारतीय टीम यहां आने वाली है। हालांकि मुझे ऐसा लगता है कि अगर अंपायरों को लगता है कि कुछ हुआ है तो मुझे भरोसा है कि इस संबंध में आगे कोई कार्रवाई की जाएगी। अंपायर या फिर मैच रेफरी को सामने आकर सभी सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैच रेफरी को अपने स्टाफ यानि अंपायर्स से बात करनी चाहिए। अगर वे अंपायर के निर्णय से सहमत हैं तो आपको भी इसके लिए खड़ा होना होगा।

डेविड वॉर्नर बने सिडनी थंडर के कप्तान

सिडनी, वार्ता : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 के लिए सिडनी थंडर का कप्तान बनाया गया है। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर वॉर्नर को आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। डेविड वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है। पिछले दिनों डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा कि वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने की घोषणा की गई। सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर डेविड वॉर्नर ने कहा कि एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी' के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। वार्नर ने इससे पहले 2011 में एक बार थंडर का नेतृत्व किया था।

वनडे और टी-20 के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बने जोश इंग्लिस

● सिडनी, वार्ता

ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंग्लिस को पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद घरेलू सीरीज के लिए टीम का नया कप्तान बनाया हैं।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने बुधवार को कहा कि जोश एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का अभिन्न सदस्य है और मैदान के अंदर और बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। बेली ने कहा कि वह पहले भी ऑस्ट्रेलिया ए टीम का नेतृत्व कर चुके है और उनको मैट शॉर्ट और एडम जम्पा जैसे खिलाड़ियों के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से भी भरपूर समर्थन मिलेगा। इंग्लिस के प्रमोशन से टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और साथी रेड-बॉल सितारे मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ पाकिस्तान के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के अंतिम मैच से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट को विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप और एक अन्य तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ टीम में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच दो विकेट से जीत चुका है। अब सीरीज के अंतिम दो मैच एडिलेड (8 नवंबर) और पर्थ (10 नवंबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन मैचों की टी-20 सीरीज 14 से 18 नवंबर के बीच ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में खेली जाएगी।

साक्षी ने पीएम से की कुश्ती बचाने की अपील

● चंडीगढ़, वार्ता

पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से कुश्ती का भविष्य बचाने की अपील की।

मलिक ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रधानमंत्री और खेल मंत्री को संबोधित करते हुए जारी वीडियो सन्देश में कहा कि पिछले साल कुश्ती फेडरेशन के चुनाव हुए। उसके दूसरे ही दिन ब्रजभूषण की 'बेहूदगी' और दबदबे को आपने और पूरे देश ने देखा, जिससे दुखी होकर और बड़े परेशान मन से मुझे अपनी कुश्ती को त्यागना पड़ा। उसके बाद सरकार ने फेडरेशन को सस्पेंड कर दिया। लेकिन कुछ ही दिनों में फेडरेशन ने अपनी गतिविधियां फिर से चालू कर दीं। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि सरकार द्वारा निलंबित फेडरेशन कोई भी गतिविधियां कैसे संचालित कर सकती है। उच्च न्यायालय ने उन गतिविधियों पर रोक लगा दी। फेडरेशन ने उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया। उच्च न्यायालय ने फिर से फटकार लगाई, तो उन्होंने बच्चों को आगे कर दिया। साक्षी ने कहा कि मैं उन बच्चों की मजबूरियां समझ सकती हूं, उनका पूरा करियर उनके आगे है। और वह करियर ऐसे फेडरेशन के हाथ में है। सर मेरा आपसे निवेदन है कि अगर आपको लगता है कि ब्रजभूषण के दबदबे वाले फेडरेशन में बच्चियों का भविष्य सुरक्षित है, तो आप फेडरेशन पर लगा सस्पेन्शन हटा दीजिए। और आपको ऐसा नहीं लगता तो कोई स्थायी समाधान सोचिये। ओलंपियन मलिक ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से ब्रजभूषण से जुड़े लोगों की उनके पास धमकियां आ रही हैं कि वह उत्तरी रेलवे में बच्चों की भर्तियां देख रही हैं। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा दिए जाएंगे। मलिक ने कहा कि उन्हें ऐसी धमकियों से फर्क नहीं पड़ता, उन्हें दुख होता है कुश्ती के खराब भविष्य को देखकर। उन्होंने कहा कि मेरा आपसे निवेदन है, आप हमारी कुश्ती को बचाइए।

जलज सक्सेना ने झटके पांच विकेट

रणजी ट्रॉफी : केरल ने उत्तर प्रदेश को 162 के स्कोर पर समेटा

● तिरुवनंतपुरम, वार्ता

जलज सक्सेना (पांच विकेट) और अन्य गेंदबाजो की शानदार गेदबाजी के दम पर केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी में ग्रुप सी के मुकाबले में यूपी की टीम को पहली पारी मे 60.2 ओवर में 162 के स्कोर पर समेट कर दिन खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 82 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

यहां केरल ने टॉस जीतकर यूपी को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी को कोई भी बल्लेबाज केरल के गेंदबाजों के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। यूपी का पहला विकेट कप्तान आर्यन जुयाल (23) के रूप में गिरा। उन्हे जलज सक्सेना ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद प्रियम गर्ग (01), माधव कौशिक (13), समीर रिजवी (01), सिद्धार्थ यादव (19), नीतिश राणा (25),सौरभ कुमार (19), पीयूष चावला (10) शिवम मावी (13) रन बनाकर आउट हुए। शिवम शर्मा ने यूपी के लिए सर्वाधिक (30) रनों की पारी खेली। यूपी की पूरी टीम ने 60.2 ओवर में 162 के स्कोर पर ढेर हो गई। केरल की ओर से जलज सक्सेना ने पांच विकेट लिए। बेसिल थंपी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। आदित्य सरवटे, के एम आसिफ और बाबा अपराजित को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी केरल ने दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 82 रन बना लिए थे और बाबा अपराजित (नाबाद 21) और आदित्य सरवटे (नाबाद 04) क्रीज पर थे। वत्सल गोविंद (23) और रोहन कुन्नुमल (28) रन बनाकर आउट हुए। शिवम मावी और आकिब ने एक-एक विकेट लिया।

यश ढुल के शतक से दिल्ली का सम्मानजक स्कोर

चंड़ीगढ़, वार्ता : यश ढुल (121) की शतकीय पारी के दम पर दिल्ली ने बुधवार रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में 276 का सम्मानजक स्कोर के बाद बल्लेबाजी करने उतरी चंड़ीगढ़ का 63 के स्कोर पर एक विकेट झटक लिया हैं। यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने यश ढुल (121), आयुष बदोनी (49), शिवांक वशिष्ठ (31), सनत सांगवान (23) के योगदान से 71.4 ओवर में 276 का सम्मानजक स्कोर खड़ा किया। चंड़ीगढ़ की ओर से निशंक बिड़ला ने छह विकेट लिए। विशु कश्यप ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। जगजीत सिंह को एक विकेट मिला। जिसके जवाब में दिन का खेल समाप्त होने के समय चंड़ीगढ़ ने एक विकेट पर 63 रन बना लिए थे और शिवम भांबरी (नाबाद 42) और मनन वोहरा (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थे। सिद्धांत शर्मा ने अर्सलान (00) को आउट किया।

शुभम और वेंकटेश अय्यर के शतक से मप्र बड़े स्कोर की ओर

पटना, वार्ता : कप्तान शुभम शर्मा (नाबाद 134) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 118) की शतकीय पारियों की बदौलत मध्यप्रदेश ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले की पहली पारी में चार विकेट पर 381 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया हैं। मप्र ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 16वें ओवर में यश दुबे (21) का विकेट गवां दिया। उसके हिमांशु (41), रजत पाटीदार (45) और हरप्रीत सिंह (20) रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उस समय टीम का स्कोर चार विकेट पर 147 रन था। ऐसे समय में शुभम शर्मा और वेंकटेश अय्यर ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किए। दिन का खेल समाप्त होने के समय मध्यप्रदेश ने चार विकेट पर 381 रन बना लिए थे।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

कैमरे की नजर में छठ

नगवां घाट

गोरखपुर

सोनभद्र

गाजीपुर

भिखारीपुर पोखरा

बरेका

मिर्जापुर

चंदौली

बरेका

बनारस रेल इंजन कारखाना के सूर्य सरोवर में छठ पर्व पर आस्था का महासागर उमड़ा, हजारों श्रद्धालुओं ने दिया अर्घ्य

उजाला संचार

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) स्थित सूर्य सरोवर में छठ पर्व के अवसर पर एक अद्वितीय धार्मिक माहौल देखने को मिला। श्रद्धालु अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए इकट्ठा हुए, जहाँ बरेका के प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री सुब्रत नाथ एवं महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा कर सभी की मंगल कामना की। इस धार्मिक अनुष्ठान में उन्होंने बरेका के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया।

इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री जनार्दन सिंह, मुख्य अभिकल्प इंजीनियर श्री आर. आर. प्रसाद, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर उत्पादन श्री सुनील कुमार,मुख्य गुणता आश्वासन प्रबंधक प्रवीण कुमार, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, एस क्यू एम श्री रामजन्म चौबे, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर स्पेयर,एम पी सिंह, जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार एवं सदस्य कर्मचारी परिषद श्री अमित यादव एवं छठ पूजा समिति अध्यक्ष श्री सी. के. ओझा, महामंत्री श्री अजय आर,श्री कमलेश सिंह सहित अन्य प्रमुख अधिकारियों ने भी पूरे श्रद्धाभाव से सूर्य को अर्घ्य दिया और परिसर का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुरक्षात्मक व्यवस्था के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस, एनडीआरफ, रेल सुरक्षा बल, नागरिक सुरक्षा दल, सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड एवं जिला भारत स्काउट गाइड की सक्रिय भूमिका रही। इस भव्य आयोजन में श्रद्धालुओं की भीड़ ने सूर्य सरोवर के चारों ओर उमड़ कर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। सभी भक्तजन सूर्य सरोवर के पवित्र वातावरण में लीन होकर अपने परिवारों के लिए सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए।

कैमरे की नजर में छठ

नगरा, बलिया

मिर्जापुर

शिवपुर, वाराणसी

बरेका

बरेका

बरेका

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है : कृष्णा पंडित

उजाला संचार

वाराणसी। घर आंगन एक मासूम की पुलकित किलकारियों से गूंजयमान होने के लिए आशान्वित हो और अचानक तबियत बिगड़ जाए तो मानो एक पहाड़ परिजनों पर टूट पड़ा हो ऐसी विपत्ति से बाहर आने के लिए मां बाप कोई भी जुगत लगा कर अपने 5 से 6 महीने का लाल जिसने अभी अभी सतरंगी दुनियां में कदम रखा है की किलकारी सुनने को बेताब रहते हैं ! एक सामान्य गरीब परिवार आज की भाग दौड़ में अपनी भरण पोषण के साथ स्वास्थ्य शिक्षा से कैसे वंचित होता है उसका अनेकों उदाहरण उसकी तंगी हालत है जिसमें वह जी तोड़ मेहनत कर अपने परिवार के लिए परिश्रम करता है !

मैं बैठकर चाय पी रहा था उसी दरमियान एक भीगी पलकों से आशा और उम्मीद लिए व्यक्ति ने आकर कहा आप कृष्णा पंडित हो ना...।

मैं भी तत्काल उसको आत्मीयता के साथ बैठ कर पूछा जी हां बोला पास में हीं एक निजी अस्पताल में मेरा बच्चा भर्ती है मेरे पास आर्थिक समस्या है यदि आप डॉक्टर से बात कर ले तो मेरी मदद हो जाए मैंने बहुत आपके बारे में सुना है ! मैंने उसी वक्त बच्चों का एक बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी डॉक्टर जिनका नाम नहीं लिख सकता जो लोगों की समय-समय पर बहुत मदद करते हैं उनसे बात किया उन्होंने मुझे आशा और विश्वास दिलाया कि इसकी जो भी यथा संभव मदद होगी निश्चित तौर पर किया जाएगा।

इतने में वह बहुत प्रसन्न हुआ और मुझे निवेदन करने लगा कि आप एक बार अस्पताल जरूर चलें बच्चों को देखने के लिए रात्रि का समय था मैंने कहा निश्चित तौर पर सुबह में जरूर आऊंगा फिर उसका फोन आया उसने बताया कि डॉक्टर साहब और उनके निजी सहायक ने आकर बच्चे को देखा और मुझसे कहा कि आपका बच्चा ठीक है और आपकी पूरी मदद की जाएगी!

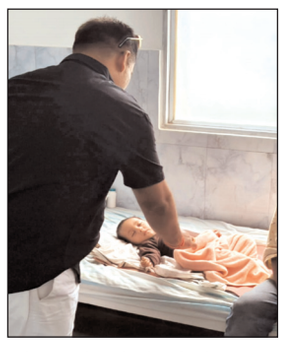

सुबह हुआ मैं भी अपने नियमित दिनचर्या के अनुसार पूजन पाठ करने के बाद बच्चों से मिलने के लिए निकल पड़ा वहां गया उनके परिजनों में बहुत खुशी नजर आई और मैंने भरोसा दिलाया जो भी संभव मदद हो सकेगा निश्चित तौर पर आर्थिक रूप से भी हम और हमारा आदर्श पत्रकार संघ परिवार करेगा और बाबा विश्वनाथ से कामना किया कि इस बच्चे की स्वास्थ्य ठीक हो और भविष्य उज्ज्वल हो!

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाश, प्रधान संपादक **महेंद्र कुमार सोनकर** द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।